हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, रविवार, 7 जनवरी 2024

11 स्वयंसेवकों ने पर्यावरण संरक्षण के लिए शहर में ...

12 ऑल हरियाणा प्राइवेट स्कूल संघ ने विधायक...

खबर संक्षेप

डॉ. तनेजा ने संभाला प्रधान पद का कार्यभार

भिवानी। उत्तरी क्षेत्र नेत्र रोग विज्ञान समिति की तीन दिवसीय वार्षिक बैठक करनाल में आयोजित की गई, इसमें 450 डॉक्टरों ने भाग लिया। डॉ जीवन सिंह टिहाल मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर भिवानी हरियाणा के डॉ. नरेंद्र तनेजा ने नए प्रधान का कार्यभार संभाला।

आज 12 बजे मुख्यमंत्री देंगे अपना संदेश

भिवानी। विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत जिले में 7 जनवरी रविवार को भी विभिन्न गांवों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में दोपहर 12 बजे मुख्यमंत्री मनोहर लाल संदेश देंगे, जो कि लाइव दिखाया जाएगा। एडीसी अनुपमा अंजलि ने बताया कि 7 जनवरी को सुबह दस बजे गांव बामला, धीराना माजरा देवसर, खरक कलां खांडयान और राजान पाना,हरिपुर और हालवास माजरा देवसर में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। दोपहर बाद 2 बजे गांव ढाणी चांग, नवा, कलिंगा, मुंढाल कलां और ढाणी बीरन में विकसित भारत संकल्प यात्रा के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

प्रतिनिधिमंडल डायरेक्टर से करेगा मुलाकात

भिवानी। मिड डे मील कार्यकर्ता यूनियन संबंधित एआईयूटीयूसी की राज्य इकाई का प्रतिनिधिमंडल 11 जनवरी को 10 बजे डायरेक्टर मौलिक शिक्षा से मुलाकात करेगा। यूनियन की राज्य प्रधान राजबाला देवी, महासचिव कुसुम पांचाल व एआईयूटीयूसी के जिला सचिव कामरेड राजकुमार बासिया ने बताया कि मिड डे मील कार्यकर्ता यूनियन की मांग है कि प्रदेश की मिड डे मील कुक को मुफ्त चिरायु योजना का लाभ दिया जाए।

श्रीराम कथा व कलश ध्वजा यात्रा 13 से

भिवानी। अयोध्या में श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव उपलक्ष्य पर शहर के दिनोद गेट स्थित सालासर हनुमान मंदिर में श्रीसिल्वर हाउस के तत्वावधान में श्रीराम कथा व कलश ध्वजा यात्रा का आयोजन 13 से 22 जनवरी तक किया जाएगा। हाउस के संचालक समाजसेवी शिवशंकर कसेरा ने बताया कि 13 जनवरी को भव्य कलश व ध्वजा शोभायात्रा प्रातः नौ बजे सालासर हनुमान मंदिर से रवाना होगी।

कैंसर मरीजों की सहायता के लिए शिविर 14 को

भिवानी। कैंसर मरीजों की सहायता के उद्देश्य से ग्राम विकास मंडल बीरण द्वारा तीसरा विशाल रक्तदान शिविर 14 जनवरी को आयोजित किया जाएगा। शिविर में एआईआईएमएस बाढ़सा (झज्जर) की ब्लड बैंक की टीम रक्त एकत्रित करने पहुंचेंगी। गांव बीरण के सरपंच प्रतिनिधि जोगेंद्र सिंह ने बताया कि शिविर गांव के बाबा बूढ़ा मंदिर हॉल में सुबह 10 बजे से शुरू होगा।

20 से कम विद्यार्थियों वाले स्कूलों पर शिक्षा विभाग की चलेगी कैंची

पुरुषोत्तम तंवर ▶▶| भिवानी

शिक्षा विभाग ने कम विद्यार्थियों वाले प्राइमरी स्कूलों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया। अब प्रदेश में 20 से कम विद्यार्थियों वाले स्कूलों के बच्चों को पड़ोसी स्कूलों में समायोजित करने की तैयारी की जा रही है। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इन स्कूलों के बच्चे किस माह में समायोजित किए जाएंगे, लेकिन शिक्षा विभाग ने इस तरह के स्कूलों का पूरा खाका व बच्चों का डाटा तैयार करना आरंभ कर दिया है। इसी क्रम में भिवानी जिले के करीब साढ़े चार सौ बच्चों को पड़ोसी जिले के स्कूलों में समायोजित करने जा रहा है।

■ शिक्षा विभाग ने इस तरह के स्कूलों और बच्चों का डाटा तैयार करना किया प्रारंभ

नजदीकी स्कूलों में समायोजित होंगे बच्चे

शिक्षा विभाग के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शिक्षा विभाग ने प्रदेश के उन प्राइमरी स्कूलों के बच्चों को पड़ौसी स्कूल में समायोजित करने का फैसला लिया है। जिन स्कूलों में पहली से लेकर पांचवीं कक्षा तक के 20 विद्यार्थी पंजीकृत है। पूरे प्रदेश में इस तरह स्कूलों के करीब करीब साढे सात हजार बच्चे समायोजित किए जाने की उम्मीद है। अकेले भिवानी में करीब 50 प्राईमरी स्कूलों में 20 से कम विद्यार्थी पंजीकृत है। जिनके करीब साढे चार सौ विद्यार्थियों को समायोजित किया जाएगा। इसके लिए विभाग ने जिला स्तर के अधिकारियों के पास पत्र भेजकर इस तरह की जानकारी शेयर की है।

जाना पड़ेगा पैदल: अगर शिक्षा विभाग की यह योजना सिरे चढ़ी तो जिन बच्चों को पड़ौस के स्कूल में समायोजित किया जाएगा। उन बच्चों को पैदल ही स्कूल में जाना पड़ेगा। समायोजित वाले स्कूल इन बच्चों के घर से किसी का मकान तीन तो किसी का साढ़े तीन किलोमीटर की दूरी पर है। हालांकि विभाग इन बच्चों को स्कूल में जाने के लिए वाहन का किराया आदि देने का भी भरोसा दिलाया है,लेकिन कई इलाके ऐसे है,जिनमें यातायात के साधन ही नहीं है। मसलन गांव सुमड़ा खेड़ा के प्राइमरी स्कूल के बच्चों को बवानीखेड़ा के स्कूल में समायोजित किया गया है। इस स्कूल के बच्चे किस तरह से बवानीखेड़ा स्कूल में नहीं पहुंचेंगे। चूंकि गांव सुमड़ा खेड़ा से बवानीखेड़ा के बीच कोई यातायात का साधन नहीं है। ऐसे में बच्चों को पैदल या साइकिल पर ही जाना पड़ेगा।

बच्चों की संख्या बढ़ाने के प्रति ध्यान दें: चाहर

राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चाहर ने बताया कि सरकार को प्राइमरी स्कूलों के बच्चों को समायोजित करने की बजाए विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाने के प्रति ध्यान देना चाहिए। साथ ही शिक्षकों से केवल शिक्षा संबंधित कार्य ही करवाए। उनकी गैर शिक्षण कार्यों में ड्यूटी न लगाए। चूंकि अनेक शिक्षकों की सरकार द्वारा गैर शिक्षण कार्यों में ड्यूटी लगा दी जाती है,जिससे वे स्कूल में समय नहीं दे पाते।

रोडवेज बस से चोरों ने चुराया करीबन 100 लीटर डीजल

तोशाम। 5 जनवरी को चोरों ने तोशाम बस स्टैंड पर खड़ी रोडवेज बस से करीबन 100 लीटर डीजल चोरी कर लिया, जिसकी शिकायत बस स्टैंड के चौकीदार ने चोरों के खिलाफ पुलिस को दी है। शिकायत पर पुलिस ने चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। बस स्टैंड चौकीदार राजेश कुमार ने पुलिस को बताया कि गत 5 जनवरी सुबह करीबन 7 बजे जब वह अपनी ड्यूटी पर कार्यरत था तो बस स्टैंड के पिछले हिस्से में आवारा पशुओं को निकाल रहा था। इस दौरान उसने देखा कि रोडवेज बस के पास कार खड़ी है, जब वह उस कार की तरफ भागा तो आरोपी व्यक्ति कार लेकर बाहर की तरफ भाग गए। वापस उन्होंने बस के पास जाकर देखा तो रोडवेज बस की डीजल की टंकी का ढक्कन खुला हुआ था और कुछ डीजल नीचे गिरा हुआ था। कार में सवार चोर करीबन 100 लीटर डीजल चोरी करके ले गए। उन्होंने इसकी शिकायत पुलिस को दी। शिकायत पर पुलिस ने चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

चार दिन में 8 फुट पानी,10 दिन तक होगा लोगों का हलक तर

जलघर के टैंक में क्रिकेट खेलते हैं युवा, सर्दी में भी पेयजल की समस्या

■ आधे से ज्यादा गांवों के जलघरों के टैंक रह गए खाली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

गर्मी ही नहीं, सर्दी में भी लोगों को पीने के पानी की समस्या से दो चार होना पड़ रहा है। नहरी पानी कम मिलने से पहले सुंदर ग्रुप की नहरों में तो अब भिवानी डिस्ट्रीब्यूटरी की नहरों में बड़ी किल्लत बन गई। उक्त नहरों को चार दिन पानी मिलने की वजह से आधे से ज्यादा गांवों के जलघरों के टैंक खाली रह गए। गांव मानहेरू के माइनर में केवल चार दिन पानी बहा,लेकिन गांव जलघर के एक ही टैंक में महज आठ फुट पानी का ही स्टॉक हो पाया ,जबकि दूसरा टैंक खाली पड़ा है।

खाली टैंक में गांव के युवक क्रिकेट का खेल खेल रहे है। ऐसे में किस तरह से कड़ाके की ठंड में लोगों का हलक तर हो पाएगा। वैसे

तो जिले के अनेक गांवों के जलघरों में पानी बेहद कम मात्रा में पहुंच पाया है,लेकिन गांव मानहेरू में पीने के पानी की विकट स्थिति बनी है। जलघर में दो टैंक हे,लेकिन इस बार नहरी पानी कम मिलने की वजह से गांव का दूसरा जलघर तक पानी पहुंचा ही नहीं। एक टैंक में मात्र आठ फुट पानी का ही स्टॉक हो पाया है। जो कि गांव के लोगों की महज दस से बाहर दिन तक ही प्यास बुझा पाएगा। उसके बाद पानी की सप्लाई बंद हो जाएगी। चूंकि इस बार नहरी पानी केवल जलघर के एक ही टैंक तक पहुंच पाया है। दूसरा खाली पड़ा है। यह स्थिति अकेले मानहेरू की ही नहीं बल्कि भिवानी डिस्ट्रीब्यूटरी पर पड़ने वाले अन्य जलघरों की भी यही बनी है। अनेक गांवों में पीने के पानी की समस्या बनी है।

पानी की बूंद भी नहीं: कड़ाके की ठंड में मानहेरू गांव के जलघर के एक टैंक में कतई पानी नहीं है। पूरी तरह से सूखा है। पानी न होने की वजह से पिछले कई दिनों से गांव के युवा उस जलघर में क्रिकेट मैच खेलते है। यह स्थिति कई अन्य गांवों में भी बनी है। यह समस्या नहरी पानी कम पहुंचने की वजह से बनी है। चूंकि भिवानी डिस्ट्रीब्यूटरी में सात दिनों तक पानी चलने की बजाए केवल चार दिनों तक ही पानी पहुंचा है। जिसकी वजह से उक्त डिस्ट्रीब्यूटरी पर पड़ने वाले अधिकांश गांवों के जलघर खाली रह गए। जिसके चलते जिले के अधिकांश गांवों में पानी की सप्लाई की राशनिंग की जाएगी। तीसरे दिन हर घर तक पानी की सप्लाई पहुंचेगी। ऐसे में लोगों को पीने के पानी की विकट समस्या से दो चार होना पड़ेगा। आप अंदाजा लगा सकते हैं कि सर्दियों में ये हालात है तो गर्मियों में क्या होगा।

सुंदर डिस्ट्रीब्यूटरी के कई गांवों के जलघर खाली

यही स्थिति सुंदर डिस्ट्रीब्यूटरी पर पड़ने वाले अनेक गांवो के जलघरों की बनी है। पूरा सप्ताह पानी न मिलने की वजह से सुंदर डिस्ट्रीब्यूटरी पर पड़ने वाले अनेक जलघर खाली रह गए। यहां तक कि बवानीखेड़ा कस्बे का जलघर में भी पर्याप्त पानी का स्टॉक नहीं हो पाया है। पानी की कमी के चलते अनेक गांवों में पानी की सप्लाई की राशनिंग की जा रही है।

निजी स्कूल संचालकों ने आदेशों को किया दरकिनार, कक्षाएं लगाई

भिवानी। शनिवार दोपहर बाद छुट्टी होने पर बच्चों को लेकर बाढ़ड़ा से गुजरती निजी स्कूल की बस। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढ़ड़ा

■ सरकार ने शीतकालीन अवकाश किए घोषित, ठंड में स्कूल जाने को विवश बच्चे

सरकार द्वारा बढ़ती ठंड को देखते हुए घोषित अवकाश को लगभग एक सप्ताह बीत चुका है, लेकिन बाढ़ड़ा क्षेत्र में निजी स्कूल संचालकों द्वारा पूरी तरह से मनमानी देखने को मिली है। हालांकि चरखी दादरी जिले में एक-दो स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई भी हुई, लेकिन इनके बावजूद बाढ़ड़ा क्षेत्र में निजी स्कूलों में कक्षाएं लगाई जा रही हैं। सरकारी आदेशों को दरकिनार कर निजी स्कूलों में कड़कड़ाती ठंड में नौनिहालों की पढ़ाई करवाई जा रही है, जिसके चलते पारा जमाव बिंदू के करीब होने पर कड़कड़ाती ठंड में स्कूल जाने को मजबूर हैं। बता दें कि शिक्षा विभाग द्वारा पिछले दिनों पत्र जारी कर सरकारी व निजी स्कूलों में एक से 15 जनवरी तक शीतकालीन अवकाश घोषित किया है। इसके बावजूद कई निजी स्कूल सरकारी आदेशों को ठेंगा दिखा रहे हैं। आदेशों के एक सप्ताह बाद भी कई निजी स्कूल खोले गए और कड़कड़ाती ठंड में बच्चों को स्कूल बुलाया गया। सुबह व दोपहर के समय सड़कों पर निजी स्कूलों की बसों में बच्चे बैठे नजर आए और इन स्कूलों में छुट्टी नहीं कर रखी।

कार्रवाई की जाएगी

जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी नवीन नारा से मामले को लेकर बात की तो उन्होंने निजी स्कूलों के खुले होने की जानकारी से इनकार कर दिया और कहा कि उनके संज्ञान में मामला आने पर निजी स्कूलों पर कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में उन्होंने खंड शिक्षा अधिकारियों को पत्र जारी कर ठोस कार्रवाई करने की बात कही।

सेशन जज अग्रवाल ने बाल सेवा आश्रम का किया निरीक्षण, डाइट चार्ट बना भोजन देने के निर्देश

भिवानी। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के चेयरमैन व जिला एवं सत्र न्यायाधीश दीपक अग्रवाल, प्राधिकरण के सचिव-कम-सीजेएम कपिल राठी व सीजेएम रीतू ने बाल सेवा आश्रम का औचक निरीक्षण कर आश्रम द्वारा बच्चों को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। सेशन जज ने आश्रम के बच्चों का हाल-चाल जानते हुए आश्रम प्रबंधक को बच्चों को मिलने वाली सुविधाओं को पूरी तरह से देने को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। सेशन जज अग्रवाल ने आश्रम का निरीक्षण करते हुए कहा कि बच्चों को हमारे संविधान में उचित पालन पोषण एवं सर्वांगीण विकास के लिए पर्याप्त अधिकार दिए हैं।

■ सेशन जज ने बच्चों की पढ़ाई, भोजन, वस्त्र आदि सुविधाओं पर ध्यान देने के दिए निर्देश

आश्रम की प्रबंध समिति को बच्चों की पढ़ाई, भोजन, वस्त्र अन्य आवश्यक सुविधाओं पर पूरा ध्यान देना चाहिए। उन्होंने बच्चों से उनको दी जा रही सुविधाओं के बारे में विस्तार से जाना। उन्होंने आश्रम समिति सदस्यों को शिक्षा के सुधार संबंधी जरूर निर्देश दिए। आश्रम में रह रहे बच्चों को प्रत्येक दिन अलग-अलग डाइट चार्ट बनाकर प्रोटीन युक्त भोजन दिया जाए व बच्चों की नियमित स्वास्थ्य जांच के भी निर्देश दिए। उन्होंने भोजनालय व शयन कक्ष की सफाई व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। इस अवसर पर बाल कल्याण समिति सदस्य, बाल सेवा आश्रम का स्टाफ सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा योजनाओं का लाभ लेने का सही मौका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

सरकार की योजनाओं का लाभ लेने के लिए विकसित भारत संकल्प यात्रा सही मौका है। प्रत्येक जरूरतमंद की मदद करते हुए केंद्र व प्रदेश सरकार अंत्योदय की भावना से कार्य कर रही है। इसी सोच के साथ विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। जिला परिषद के अध्यक्ष मनदीप डालावास, ओएसडी टू डीसी शुभम, भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. किरण कलकल व सुनील शर्मा सहित विभिन्न अतिथियों ने शनिवार को सांतौर, सरूपगढ़, डाढी बाना व आबिदपुरा में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करते हुए ऐसे विचार रखे।

जिले में विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से लोगों की समस्याओं का समाधान हो रहा है और साथ ही अंतिम पंक्ति के पात्र व्यक्ति को भी केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ भी मिल रहा है। अब तक यह यात्रा पूरे देश के लोगों के बीच अलख जगाने में कामयाब रही है। पूरे देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस यात्रा की शुरूआत करके वास्तव में लोगों के दूख हरने का काम किया है। यात्रा के दौरान लोगों को उनके घर पर सभी सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा, जिसके बारे में किसी ने सोचा नहीं था। सरकार और प्रशासन लोगों के बीच पहुंचकर योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचा रहे। जिला प्रशासन की ओर से सरकार द्वारा तय कार्यक्रम के अनुसार गांवों में कार्यक्रमों को आयोजन करवाया जा रहा है। कार्यक्रम में एलईडी युक्त वैन में सरकार की विभिन्न योजनाओं को दिखाया तथा यात्रा के दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित अंत्योदय पर आधारित स्टॉल लगाकर आमजन को जागरूक करते हुए लाभान्वित किया गया। संकल्प यात्रा कार्यक्रम के दौरान मेरी कहानी मेरी जुबानी के तहत विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों ने अपने मन की बात लोगों के साथ साझा करते हुए बताया कि कैसे वह और उनका परिवार सरकार की अंत्योदय उत्थान एवं कल्याण से संबंधित योजनाओं का लाभ उठाकर अपने जीवन में बदलाव ला रहे हैं। कृषि विभाग द्वारा इस दौरान खेतों में ड्रोन का प्रदर्शन किया।

भिवानी। महिलाओं को योजनाओं के दस्तावेज देते अतिथि। फोटो : हरिभूमि

पारा लुढ़ककर छह डिग्री सेल्सियस पर पहुंचा

कड़ाके की ठंड से जनजीवन प्रभावित,फसलों के लिए फायदेमंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

शनिवार को भी कड़ाके की ठंड का दौर जारी रहा। कड़ाके की ठंड की वजह से जनजीवन पूरी तरह से प्रभावित रहा। पारा छह डिग्री सेल्सियस पर पहुंचने के चलते हर कोई आहत नजर आया।

हाड़ कंपा देने वाली ठंड चलते लोगों की दिनचर्या देर से शुरू और शाम के वक्त जल्दी ही लोग अपने घरों में दुबक गए। दूसरी तरफ कड़ाके की ठंड रबी फसलों के लिए फायदेमंद मानी जा रही है। चूंकि इस मौसम में जितनी ज्यादा ठंड होगी। शनिवार को लोग सुबह जब सोकर उठे तो उस वक्त आमसान में धुंध के बादल छाए हुए थे। आठ से दस किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवा चल रही थी। हवा की वजह से लूढ़क कर पारा छह डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। ठंड की वजह से छोटी कांशी ठिठुरने लगी। लोगों ने सर्दी से बचने के लिए अलाव का सहारा लिया। शनिवार को पूरे दिन सूर्य देव के दर्शन नहीं हुए। कड़ाके की ठंड की वजह से शाम तक लोग ठंड से ठिठुरते रहे। अन्य दिनों की अपेक्षा जल्दी ही लोग अपने घरों में दुबक गए।

फसलों में होगा फायदा: कड़ाके की ठंड की वजह से लोगों को परेशानी झेलनी पड़ी। वहीं रबी फसलों के लिए फायदेमंद मानी जा रही है। चूंकि जितना कम पारा होगा। उतना ही गेहूं की फसल में फायदा होगा। क्योंकि ज्यादा ठंड व नमी के चलते ही गेहूं की फसल में फुटाव बढ़ता है। फिलहाल धूप न निकलने की वजह से गेहूं की फसल के रंग में पिलापन आ गया,लेकिन कृषि विशेषज्ञों का तर्क है कि जैसे ही मौसम का मिजाज बदलेगा। उसी हिसाब से गेहूं की फसल का रंग बदल जाएगा। फिलहाल गेहूं की फसल पीली होने लगी है।

ठंड से जनजीवन प्रभावित

मौजूदा समय में पूरा प्रदेश शीत लहर की चपेट में हैं। बाढ़ड़ा क्षेत्रभी इससे अछूता नहीं है। जिले में तीन दिन से धूप नहीं निकली हैं जिसके कारण बढ़ती ठंड से आम जन जीवन पूरी तरह से प्रभावित हुआ है। शहर हो या ग्रामीण क्षेत्र हर जगह लोग अलाव सेकते हुए या घरों में दुबके नजर आ रहे हैं। बता दे कि जवरी के शुरआती सप्ताह में काफी ठंड बढ़ी है और पारा लगातार जमाव बिंदू की ओर जा रहा है। लगातार तीन दिनों से धूप नहीं निकलने के कारण तापमान में लगातार गिरावट हो रही है और शनिवार को न्यूनतम तापमान 6 डिग्री सेल्सियर तक तक पहुंच गया है। ठंड के कारण जन जीवन पूरी तरह से प्रभावित हुआ है और लोग अलाव का साहरा ले रहे है।

मजदूरों ने सुविधाएं समय पर नहीं देने पर जताया रोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

■ सरकार के जनप्रतिनिधियों व आला अधिकारियों के खिलाफ जताया रोष

सरकार द्वारा मजदूरों को मिलने वाली सुविधाओं के रोष स्वरूप राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस इंटक के प्रदेश सचिव राम अवतार के नेतृत्व में मजदूरों ने कोर्ट रोड पर जोरदार नारेबाजी की। उन्होंने सरकार व उनके जनप्रतिनिधियों के खिलाफ आरोप लगाते हुए कहा कि श्रमिक विभाग के अधिकारी रोजाना जनता के समक्ष झूठे वादे करके उन्हें गुमराह कर रहे है।

श्रमिक मजदूरों को मिलने वाली योजनाओं के लिए दर दर की ठोकरें खाने को मजबूर है। उन्होंने कहा कि सरकार के जनप्रतिनिधि एवं आला अधिकारी श्रमिक पंजीकरण एवं उन्हें मिलने वाली कन्यादान योजनाओं के बारे में झूठी वाहवाही लूटी जा रही है। धरातल पर श्रमिक मजदूरों को अपनी बेटी की शादी में मिलने वाली कन्यादान राशि के लिए तीन से चार साल तक भटकना पड़ रहा है। इसके बावजूद उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है। अधिकारियों का रवैया मजदूरों के प्रति नकारात्मक रहता है। छात्रवृति योजना, औजार योजना, साइकिल योजना का लाभ नहीं मिल रहा।

शेयर खरीदने के बाद रहें बेफिक्र
भाव गिरे तब भी फायदे में रहोगे

हर सौदे में नुकसान से बचने के लिए हेजिंग करना जरूरी ● स्टॉक मार्केट में हेजिंग का मतलब रिस्क मैनेजमेंट स्ट्रेटेजी ● यह आपको बड़े नुकसान से बचाने में हर हाल में सक्षम ● शेयरों में पैसा लगाना बाजार जोखिमों के अधीन होता है ● फ्यूचर एंड ऑप्शन में कॉल और पुट की एक्सपायरी भी ● इसकी अवधि एक माह तक हो सकती है ● आप हर माह अपनी कैश पॉजिशन को नुकसान से बचा सकते हैं

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में पैसा लगाते वक्त एक डर हमेशा निवेशकों के मन में रहता है कि कहीं स्टॉक गिर तो नहीं जाएगा। यह चिंता बड़े निवेशकों को बहुत रहती है, क्योंकि जो व्यक्ति बाजार में 10 लाख, 1 करोड़ या उससे ज्यादा पैसा लगाता है तो शेयरों में गिरावट होने का डर लाजिमी है, लेकिन, शेयरों में करोड़ों रुपये लगाने वाले इन्वेस्टर्स नुकसान से बचने के लिए बीमा भी करा लेते हैं। आप सोचेंगे कि शेयर खरीदने पर कौन-सा इंश्योरेंस होता है हमने तो आज तक नहीं सुना। आपने नहीं सुना इसका यह मतलब नहीं है कि ऐसा नहीं होता है। चूंकि शेयरों में पैसा लगाना बाजार जोखिमों के अधीन है और जहां रिस्क है वहां खुद को सिक्योर करना बहुत जरूरी है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए शेयर बाजार में फ्यूचर एंड ऑप्शन के कॉन्सेप्ट को लाया गया है, जिन्हें हेजिंग टूल कहा जाता है। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएं कि कि एफ एंड ओ यानि फ्यूचर एंड ऑप्शन क्या है। इसके क्या लाभ हैं। यह कैसे शेयर का भाव गिरने पर भी नुकसान नहीं होन देता।

जरा सोचिये, 13 लाख रुपये कितनी बड़ी रकम होती है और वह हम ऐसे बाजार में रखते हैं जहां रिस्क और रिवॉर्ड दोनों मिलते हैं। जिस तरह हम महंगी गाड़ी खरीदने पर इंश्योरेंस कराते हैं और कीमती जेवरों की सुरक्षा के लिए उन्हें लॉकर में रखते हैं, इन दोनों कामों के लिए हमें प्रीमियम या किराया देना होता है। ठीक उसी तरह फ्यूचर एंड ऑप्शन में प्रीमियम अदा करके अपनी 13 लाख रुपये की पॉजिशन को हेज कर सकते हैं।

क्या होती है हेजिंग

बाजार के जानकारों का कहना है कि स्टॉक मार्केट में हेजिंग का मतलब रिस्क मैनेजमेंट स्ट्रेटेजी यानी जोखिम प्रबंधन रणनीति है। इसका इस्तेमाल निवेशकों द्वारा शेयरों की कीमत में होने वाले से संभावित नुकसान को कम करने के लिए किया जाता है। हेजिंग की सुविधा शेयर, बॉन्ड, कमोडिटी और करेंसी सभी मार्केट में उपलब्ध है। इसे असानी से लिया जा सकता है। इसके कई प्रकार के लाभ होते हैं।

जोखिम से बचाने वाला बीमा

मान लीजिये आपने बहुत रिसर्च करके कोई शेयर खरीदा और आप आश्वस्त हैं कि आने वाले दिनों में शेयर का भाव बढ़ेगा, लेकिन, बाजार में इसकी कोई गारंटी नहीं होती है। एक बुरी खबर से शेयर औंधे मुंह गिर जाते हैं। ऐसे में अपनी पॉजिशन को हेज करना बहुत जरूरी है। मान लीजिये आप कोई भी स्टॉक खरीदते हैं, जिसका भाव 130 रुपये है। अगर आपने 130 के भाव से 10,000 शेयर खरीदे यानी कुल 13 लाख रुपये का निवेश किया।

आसानी के कर सकते हैं

फ्यूचर एंड ऑप्शन में पुट या कॉल ऑप्शन खरीद या बेचकर कैश मार्केट की पॉजिशन को आसानी से हेज किया जा सकता है। हालांकि, कॉल और पुट खरीदने में सिर्फ प्रीमियम देना होता है जो काफी कम होता है, जबकि सेल करने के लिए मार्जिन लगता है जो काफी ज्यादा होता है। इसलिए निवेशक कम पैसे में अपने निवेश किए गए रुपयों को आसानी से हेज कर सकते हैं और होने वाले नुकसान से बच सकते हैं।

यह भी कर सकते हैं

निवेशकों ने जिस स्टॉक के लिए 130 के भाव पर 10,000 शेयर खरीदे हैं। अगर शेयर गिरा तो नुकसान से बचने के लिए आप इस स्टॉक के 130 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का पुट ऑप्शन खरीद सकते हैं, जिसका भाव इस बाजार तक 4 रुपये तक चल रहा है और इसका लॉट साइज 10,000 है। आपको 40,000 रुपये का प्रीमियम देना होगा। यानी 13 लाख की कैश पॉजिशन में होने वाले नुकसान से बचने के लिए आपने 40,000 में पुट ऑप्शन खरीद लिया।

ऐसे होता है प्रॉफिट

अब आप देखिये कैश पॉजिशन में 1 लाख का प्रॉफिट होता है और पुट ऑप्शन में 40,000 का नुकसान भी हो जाए तो भी आप 60,000 के मुनाफे में रहेंगे। वहीं, अगर शेयर का भाव गिरकर 120 रुपये आ जाता है तो पुट ऑप्शन का प्रीमियम बढ़ेगा। ऐसे में कैश पॉजिशन में आपको 1 लाख का नुकसान होगा। वहीं, पुट का प्रीमियम बढ़कर 4 रुपये से बढ़कर 14 रुपये पहुंच जाता है तो यहां आपको 1 लाख रुपये का प्रॉफिट होगा यानी कैश पॉजिशन में 1 लाख का नुकसान और पुट ऑप्शन में 1 लाख का प्रॉफिट होने पर 'नो लॉस नो प्रॉफिट' रहेगा। अगर पुट का प्रीमियम 14 से बढ़कर 16 रुपये हुआ तो उल्टा आप 20,000 के प्रॉफिट में रहेंगे। हालांकि, फ्यूचर एंड ऑप्शन के जरिए हेजिंग करने के लिए शेयरों की चाल पर नजर रखना बहुत जरूरी है, जिस दिशा में शेयर बढ़े उसके हिसाब से पॉजिशन को काटना जरूरी है, ताकि ज्यादा से ज्यादा मुनाफा हासिल किया जा सके। बता दें कि फ्यूचर एंड ऑप्शन में कॉल और पुट की एक्सपायरी होती है, जिसकी अवधि एक माह होती है। आप हर माह अपनी कैश पॉजिशन को हेजिंग के जरिए नुकसान से बचा सकते हैं।

एक दो नहीं, बल्कि 5 तरह की होती हैं एसआईपी

बिजनेस डेस्क

बिजनेस डेस्क। शेयर बाजार में निवेश करने वालों के लिए यह जानना बेहद जरूरी है कि एसआईपी कितने प्रकार की होती है, एसआईपी के बार में सुना तो लगभग सभी ने होगा, लेकिन यह बात कम ही लोग जानते हैं कि एसआईपी भी कई तरह की होती है। बाजार के जानकारों का कहना है कि एसआईपी करीब पांच प्रकार की होती है। इसमें निवेश करना बेहद फायदेमंद माना जाता है। यह आपको 10 से 30 फीसदी तक का रिटर्न देकर मालामाल करने में सक्षम होती है। जब कभी बात निवेश की आती है तो आपने अक्सर लोगों को ये सुझाव देते सुना होगा कि एसआईपी शुरू कर लो। एसआईपी यानी सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान। इसके तहत आप हर महीने एक तय रकम किसी म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं। हालांकि, ये बात कम ही लोग जानते हैं कि एसआईपी भी कई तरह की होती है। आइए जानते हैं कितनी तरह की होती है एसआईपी और कैसे करती है काम।

क्षमता के हिसाब से निवेश कर कमा सकते हैं अच्छा पैसा

एसआईपी 10 से 30 फीसदी तक का रिटर्न देने में सक्षम

सालाना आधार पर एसआईपी की रकम को बढ़ाते जाएं

1. रेगुलर एसआईपी

सबसे पहली है रेगुलर एसआईपी, जिसके तहत आप हर महीने एक तय रकम निवेश करते हैं। यह आप हर महीने, तिमाही या छमाही आधार पर कर सकते हैं। आपके पास ये विकल्प होता है कि आप तारीख खुद से चुन सकते हैं।

2. स्टेप-अप एसआईपी

इस एसआईपी के तहत आपको एक तय अवधि में एसआईपी को बढ़ाने की सुविधा मिलती है। जैसे सालाना आधार पर आप एसआईपी की रकम को बढ़ा सकते हैं। मान लीजिए कि आप हर महीने 10 हजार रुपये की एसआईपी करते हैं, तो इसके तहत आप उसे

हर साल 10 फीसदी या 5 फीसदी जो भी आप चाहे उस दर से बढ़ा सकते हैं. इसके तहत आपका निवेश ऑटोमेटिक तरीके से बढ़ता चला जाता है।

3. फ्लेक्सिबल एसआईपी

इसके बाद नंबर आता है फ्लेक्सिबल एसआईपी का, जिसके तहत आप अपनी एसआईपी में कुछ बदलाव कर सकते हैं। उदाहरण के लिए आप एसआईपी की रकम बढ़ा सकते हैं या घटा सकते हैं। हालांकि, अगर आप ऐसा कुछ करना चाहते हैं तो इसके लिए आपको अपने फंड हाउस को एसआईपी कटने की तारीख से करीब हफ्ते भर पहले बताना होगा।

4. ट्रिगर एसआईपी

यह सबसे दिलचस्प एसआईपी है। इसमें आप पैसे, समय और वैल्युएशन के आधार पर तय कर सकते हैं कि कब एसआईपी ट्रिगर होगी। आप इसके लिए पहले से ही कंडीशन लगा सकते हैं। जैसे अगर कीमत के आधार पर बात करें तो आप कंडीशन लगा सकते हैं कि जब एनएवी 1000 रुपये से अधिक हो जाए तो ट्रिगर एसआईपी शुरू हो जाए। वहीं, आप ये भी तय कर सकते हैं कि अगर एनएवी 1000 रुपये से कम हो जाए तो आपके कुछ अतिरिक्त पैसे एसआईपी में लगने लगें। इसी तरह से समय और वैल्युएशन के आधार पर भी ट्रिगर एसआईपी को प्लान किया जा सकता है।

5. इंश्योरेंस के साथ एसआईपी

ये वह एसआईपी होती है, जिस पर आपको टर्म इंश्योरेंस कवर भी मिलता है। अलग-अलग फंड हाउस में यह अलग-अलग तरीके से हो सकती है। कुछ इसके तहत पहली एसआईपी के अमाउंट का 10 गुना तक इंश्योरेंस कवर देते हैं, जो बाद में बढ़ता जाता है। यह फीचर सिर्फ इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में मिलता है और इस पर एक कैपिंग होती है, जैसे 50 लाख रुपये।

इन्वेस्टमेंट जल्दी शुरू करें

जल्दी इन्वेस्टमेंट से मतलब है, कम उम्र में निवेश शुरू कर देना। ऐसा करके आप एसआईपी में ज्यादा टाइम तक इन्वेस्ट कर रिटर्न के रूप में बड़ा अमाउंट पा सकते हैं। एसआईपी में जितना दिन आपका इन्वेस्टमेंट रहेगा, आपको उतनी ही ज्यादा कंपाउंडेड रिटर्न मिलेगा। इसलिए 20 से 30 साल की उम्र के बीच इन्वेस्टमेंट शुरू कर दें।

रेगुलर इन्वेस्टमेंट करें

रेगुलर इन्वेस्टमेंट से एक फाइनेंशियल डिसिप्लिन मेंटेन होता है। इसका एक और फायदा है-अगर आप रेगुलर इन्वेस्टमेंट करते हैं, तो कई बार औसत लागत से ज्यादा फायदा मिल जाता है। इसका मतलब यह है कि अगर कीमतें कम होती हैं, तो आप ज्यादा यूनिट खरीदते हैं और जब कीमतें ज्यादा होती हैं तो आप कम यूनिट खरीदते हैं। इस तरह के एसआईपी करने से शेयर बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव का जोखिम कम हो जाता है।

सही फंड का चयन करें

म्यूचुअल फंड से बेहतर रिटर्न के लिए सही फंड चुनना काफी जरूरी है। वैसे म्यूचुअल फंड का चयन करें जो आपके फाइनेंशियल गोल के हिसाब से हों। इसके अलावा मार्केट के रिस्क और फंड की ग्रोथ के अनुमान को देख कर ही उसका चयन करें।

पोर्टफोलियो को डायवर्सिफाई करें

पोर्टफोलियो को डाइवर्स रखने से आप मार्केट के रिस्क से भी बच जाते हैं और रिटर्न भी बेहतर मिलने की संभावना बढ़ा जाती है। इसलिए इक्विटी, डेट, गोल्ड, रियल एस्टेट और दूसरे फंड में इन्वेस्ट करने की सोचें। इससे एक के प्रॉफिट से दूसरे के नुकसान की भरपाई हो जाती है।

समय के साथ अमाउंट बढ़ाएं

जैसे-जैसे आपकी इनकम बढ़ती जाती है, आप अपने इन्वेस्टमेंट के अमाउंट को भी बढ़ाएं। वेल्थ बढ़ाने का यह एक बेहतर तरीका है। इसलिए आप धीरे-धीरे एसआईपी के अमाउंट को बढ़ाकर बढ़ी हुई इनकम का लाभ ले सकते हैं।

सोना या शेयर 2024 में कौन चमकाएगा आपकी किस्मत

अक्सर देखने में आता है कि निवेशकों की निगाह हमेशा ऐसे विकल्पों को खोजती रहती है, जो उन्हें तगड़ा रिटर्न दिला सके। वर्ष 2023 को देखें तो सोना और सेंसेक्स दोनों ने ही जमकर रिटर्न दिया है। ऐसे में निवेशकों के लिए ये दोनो एसेट्स निवेश का बेहतर विकल्प बनकर उभरे हैं। वैसे भी कहा जाता है कि निवेशकों के लिए शेयर और सोना दोनों ही पोर्टफोलियो में रखना फायदेमंद होता है।

बिजनेस डेस्क

साल 2023 निवेशकों के लिए काफी गोल्डन रहा है। शेयर बाजार हो या सोना, दोनों ने ही जमकर रिटर्न दिया। इससे सैकड़ों निवेशक मालामाल हुए हैं। सेंसेक्स ने जहां ऐतिहासिक आंकड़ों को छू लिया तो सोना भी पहली बार 60 हजार के पार पहुंचा। अब बाजार के जानकारों के अनुमान है कि वर्ष 2024 भी निवेशकों को जमकर मुनाफा देकर जाएगर। ऐसे में सवाल उठता है कि इस साल निवेशकों को किस एसेट्स पर ज्यादा दांव लगाना चाहिए, सोने पर या शेयरों में। इस बारे में एक्सपर्ट ने निवेशकों के लिए कई काम की जानकारियां दी हैंए जिससे सारी कंफ्यूजन दूर हो गई। वर्ष 2023 को देखें तो सोना और सेंसेक्स दोनों ने ही जमकर रिटर्न दिया है। ऐसे में निवेशकों के लिए ये दोनो एसेट्स निवेश का बेहतर विकल्प बनकर उभरे हैं। वैसे भी कहा जाता है कि निवेशकों के लिए शेयर और सोना दोनों ही पोर्टफोलियो में रखना फायदेमंद होता है।

- दोनों ही दे रहे एफडी से दोगुना रिटर्न, फिर बेस्ट क्या
- शेयर और सोना दोनों पोर्टफोलियो में रखना फायदेमंद
- शेयर बाजार में करीब 10 हजार अंकों का उछाल दिखा
- बाजार ने अपने निवेशकों को 16 फीसदी का रिटर्न दिया
- गोल्ड में पैसे लगाने वाले को 15 फीसदी का रिटर्न मिला

बाजार ने पिछले साल 16 फीसदी रिटर्न दिया

अगर हम 2023 पर नजर डालें तो शेयर बाजार में करीब 10,000 अंकों का उछाल दिखा है। इसका मतलब है कि बाजार ने अपने निवेशकों को करीब 16 फीसदी का रिटर्न दिया है। इसी तरह, अगर गोल्ड पर नजर दौड़ाई जाए तो 2023 में इस विकल्प में पैसे लगाने वाले को करीब 15 फीसदी का जबरदस्त रिटर्न मिला है। ऐसे में हम 2024 को लेकर एक्सपर्ट से शेयर बाजार और सोना दोनों का ही ग्रोथ प्रोजेक्शन लेकर आए हैं, जिससे निवेशकों को यह जानने में आसानी होगी कि वे अपना पैस किस विकल्प में लगाएं।

शेयर बाजार फिर देगा तगड़ा रिटर्न

इक्विटी और शेयर बाजार के जानकारों का कहना है कि साल 2024 में भी सेंसेक्स का प्रदर्शन जबरदस्त रहेगा। उन्होंने बताया कि 2024 की समाप्ति तक सेंसेक्स 83,250 और निफ्टी 25,000 के आंकड़े को पार कर सकता है। बता दें कि हाल ही में सेंसेक्स 71,434 पर बंद हुआ है। इस हिसाब से देखा जाए तो 2024 में सेंसेक्स करीब 12 हजार अंकों का उछाल हासिल कर सकता है। यह करीब 14.41 फीसदी का रिटर्न हुआ। इससे पहले 2 जनवरी, 2023 को सेंसेक्स 61,168 के स्तर पर बंद हुआ था। यानी शेयर बाजार से निवेशकों को इस साल 14 फीसदी से ज्यादा रिटर्न मिलने का अनुमान है।

सोने पर क्यों लगाएं दांव

एक जानी मानी कमोडिटी फर्म का कहना है कि ग्लोबल मार्केट में जिस तरह के हालात चल रहे हैं और महंगाई ने पूरी दुनिया पर दबाव बना रखा है तो 2024 में भी गोल्ड की कीमतों में तेज उछाल का अनुमान है। उन्होंने कहा कि गोल्ड ने 2023 को 63,203 रुपये के स्तर पर क्लोज किया और अपने निवेशकों को 14.88 फीसदी का जबरदस्त रिटर्न दिया। 3 जनवरी, 2024 को 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने का भाव 63,344 रुपये रहा, जो साल के आखिर तक 72 हजार रुपये तक जा सकता है। इस लिहाज से एक तोला सोना खरीदने वाले को प्रति 10 ग्राम करीब 9 हजार रुपये का फायदा होगा। इसका मतलब है कि गोल्ड पर इस साल 15.2 फीसदी का रिटर्न मिलने का अनुमान है। इसलिए निवेशक गोल्ड में भी पैसा लगाकर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। वैसे भी गोल्ड को निवेश का सबसे अच्छा विकल्प माना जाता रहा है। ऐसे में गोल्ड पर पैसा लगाना काफी लाभकारी साबित हो सकता है।

फिर दोनों में बेस्ट कौन

आंकड़ों से स्पष्ट है कि न शेयर बाजार और सोना दोनों ही दहाई अंकों में रिटर्न दे रहे हैं। दोनों का ही अनुमान लगभग एक जैसा है। ऐसे में निवेशकों को दोनों ही विकल्पों को अपने पोर्टफोलियो में रखना चाहिए। जो निवेशक ज्यादा जोखिम उठाने की क्षमता रखते हैं, उन्हें ज्यादातर पैसे शेयर बाजार में लगाने चाहिएं। वहीं, कम जोखिम की क्षमता रखने वालों को सोने पर दांव लगाना चाहिए। सोने पर इसलिए भी ज्यादा भरोसा है, क्योंकि ग्लोबल मार्केट में चल रही उथल-पुथल को देखें तो सोने की मांग आगे और बढ़ने का अनुमान है। इसके अलावा महंगाई व बढ़ती ब्याज दरों की वजह से भी सोना हॉट कमोडिटी बना रहेगा।

ये फंड दे जाते हैं कम रिस्क में स्टेबल रिटर्न, टैक्स के लिहाज से बेहतर हैं आर्बिट्राज फंड

किन लोगों को करना चाहिए इनमें इनवेस्ट, म्यूचुअल, आर्बिट्राज फंड, कम रिस्क में बेहतर रिटर्न की गारंटी

म्यूचुअल फंड्स से अलग हैं आर्बिट्राज फंड

बिजनेस डेस्क

इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों को आमतौर पर यही सलाह दी जाती है कि किसी फंड में पैसे लगाने के बाद धैर्य के साथ सही समय का इंतजार करें और उसे बेचने का फैसला तभी करें, जब आपके निवेश की वैल्यू पर्याप्त रूप से बढ़ जाए। लेकिन इनवेस्टमेंट का एक तरीका ऐसा भी है, जिसमें फंड मैनेजर इक्विटी में निवेश तभी करता है, जब उसे मुनाफा सामने नजर आ रहा हो। सही मौका मिलते ही वह एक हाथ से निवेश करता है और दूसरे हाथ से बेचकर प्रॉफिट बुक कर लेता है। बाकी तमाम एसेट्स की तुलना में बिलकुल अलग ढंग से काम करने वाले इस फंड का नाम है आर्बिट्राज म्यूचुअल फंड। निवेश की बिलकुल अलग स्ट्रैटजी के कारण इसे इक्विटी में निवेश का सबसे कम जोखिम वाला तरीका भी कहा जा सकता है।

इक्विटी इनवेस्टमेंट के मामले में आर्बिट्राज का मतलब है, किसी एक शेयर की एक समय में दो अलग-अलग बाजारों या एक्सचेंज में दो अलग-अलग कीमतों के बीच मौजूद अंतर का फायदा उठाकर उसकी खरीद-बिक्री करना। मिसाल के तौर पर अगर एक शेयर का दाम एक स्टॉक एक्सचेंज में ज्यादा और दूसरे एक्सचेंज में कम हो, तो उसे एक ही साथ सस्ते बाजार से खरीदकर महंगे बाजार में बेचा जा सकता है और इस तरह फौरन मुनाफा कमाया जा सकता है। इसी तरह स्पॉट मार्केट और फ्यूचर्स मार्केट यानी वायदा बाजार में एक ही शेयर की अलग-अलग कीमत का लाभ भी उठाया जा सकता है।

आर्बिट्राज का फायदा

आर्बिट्राज के जरिए मुनाफा कमाने में दो दिक्कतें हैं- एक तो इसके लिए काफी हुनर और वक्त चाहिए, क्योंकि आपको एक साथ लगातार कई बाजारों और शेयरों पर नजर रखकर आर्बिट्राज के मौके तलाशने पड़ते हैं। दूसरी दिक्कत यह है कि दो बाजारों के बीच शेयरों की कीमतों में अंतर आम तौर पर काफी कम होता है। लिहाजा पर्याप्त मुनाफा कमाने के लिए बार-बार बड़े वॉल्यूम वाली डील करना जरूरी है। किसी आम निवेशक के लिए निजी तौर पर ऐसा करना मुश्किल है। लेकिन आर्बिट्राज फंड में निवेश करके इस स्ट्रैटजी का लाभ लिया जा सकता है।

मौके तलाशते हैं फंड मैनेजर

फंड मैनेजर और उनकी टीम लगातार आर्बिट्राज के मौके तलाशते रहते हैं और बार-बार खरीद-बिक्री करके मुनाफा कमाते हैं। सबसे खास बात यह है कि आर्बिट्राज फंड का मैनेजर किसी इक्विटी में निवेश तभी करता है, जब उसे किसी और मार्केट में मुनाफा दिख रहा हो। लिहाजा, इसमें नुकसान का रिस्क बेहद कम हो जाता है। फंड मैनेजर्स को जब इक्विटी में मुनाफा नहीं दिखता तो वो फंड को शॉर्ट टर्म मनी मार्केट या डेट इंस्ट्रूमेंट्स में पार्क करके रखते हैं, ताकि उस पर कुछ न कुछ रिटर्न मिलता रहे।

टैक्स बेनिफिट

आर्बिट्राज फंड दरअसल हाइब्रिड फंड हैं, जिन्हें टैक्सेशन के लिहाज से इक्विटी फंड की कैटेगरी में रखा जाता है। यानी अगर इसमें किए गए निवेश को 1 साल तक होल्ड करने के बाद निकाला जाए, तो उस पर 1 वित्त वर्ष के दौरान हुए 1 लाख रुपये तक के मुनाफे पर कोई टैक्स नहीं लगता। इससे ज्यादा मुनाफा होने पर 10 फीसदी की दर से लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स लगता है। 1 साल से पहले निवेश निकालने पर होने वाले प्रॉफिट पर 15 फीसदी की दर से शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स देना पड़ता है।

पिछले 1 साल में 8% तक रिटर्न

आर्बिट्राज फंड में निवेश पर जोखिम तो बहुत कम होता है, क्योंकि फंड मैनेजर प्रॉफिट दिखने पर एक बाजार से स्टॉक खरीदकर उसे दूसरे बाजार में बेच देता है, लेकिन ऐसे मौके ज्यादा नहीं मिलते और दो बाजारों में कीमतों का अंतर भी बहुत कम होता है। इसलिए इनमें मिलने वाला रिटर्न भी औसत ही रहता है। पिछले 1 साल में देश के कुछ टॉप आर्बिट्राज फंड ने लगभग 8 फीसदी तक सालाना रिटर्न दिया है। टैक्स बेनिफिट को जोड़ दें तो यह रिटर्न और भी बेहतर नजर आएगा। हालांकि इसे भविष्य के रिटर्न की गारंटी नहीं माना जा सकता।

किसे करना चाहिए निवेश

आर्बिट्राज फंड में निवेश का रिस्क प्रोफाइल डेट फंड की तरह होता है। यही वजह है कि कई आर्बिट्राज फंड बेंचमार्क के तौर पर लिक्विड फंड इंडेक्स का इस्तेमाल करते हैं। आर्बिट्राज फंड उन निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प हैं जो इक्विटी में निवेश करना चाहते हैं, लेकिन जोखिम नहीं उठाना चाहते। उतार-चढ़ाव वाले बाजार में, जोखिम से परहेज करने वाले कई निवेशक अपना पैसा आर्बिट्राज फंड में रखकर औसत रिटर्न ले सकते हैं। अगर आप ऊंचे टैक्स ब्रैकेट में आते हैं, तो टैक्स बचत के लिहाज से आर्बिट्राज फंड में निवेश करना आपके लिए अच्छा विकल्प हो सकता है। पिछले बजट में डेट फंड पर टैक्स बेनिफिट खत्म किए जाने के बाद तो यह और भी आकर्षक ऑप्शन हो गया है। कुछ जानकार यह सलाह भी देते हैं अगर आप अपने सेविंग अकाउंट में ज्यादा पैसे रखते हैं, तो उसका कुछ हिस्सा आर्बिट्राज फंड में लगा सकते हैं।

खबर संक्षेप

संकल्प यात्रा से लोगों को मिल रहा लाभ

लोहारू/बहल। संकल्प यात्रा के तहत गांवों में आयोजित कार्यक्रमों में लोगों का खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। लोग जहां विभिन्न विभागों द्वारा लगाए जा रहे स्टालों के माध्यम से योजनाओं की जानकारी ले रहे हैं, वहीं परिवार पहचान पत्र, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, हेल्थ चैक और उज्ज्वला योजना से संबंधित स्कीमों का मौके पर ही लाभ उठा रहे हैं।

लखमीचंद की 20 से 26 तक मनाई जाएगी जयंती

भिवानी। गांव बापोड़ा में हर वर्ष की भांति सूर्य कवि पंडित लखमीचंद की जयंती के आयोजन को लेकर गांव व आसपास के गांव के सभी संस्कृति प्रेमियों की बैठक हुई। बैठक में 20 से 26 जनवरी तक सूर्यकवि पंडित लखमीचंद की जयंती का आयोजन करने का निर्णय लिया। इस दौरान छह दिन सांग का कार्यक्रम होगा और आखिरी दिन हरियाणवी कलाकारों द्वारा हरियाणवी रागनी कॉम्पिटिशन का आयोजन किया जाएगा।

अन्न वितरण समारोह चौदह जनवरी को

जींद। असमर्थ महिला कल्याण ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष राहुल शर्मा ने बताया कि ट्रस्ट मकर संक्रांति के पावन पर्व पर 14 जनवरी को नरवाना रोड पर अन्न वितरण समारोह का आयोजन करेगा। प्रधान रामनिवास अहीरका ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के तौर पर एडीसी डा. हरीश वशिष्ठ व नागरिक अस्पताल के डिप्टी एमएस डा. राजेश शिरकत करेंगे।

शादी का झांसा दे युवती से दुष्कर्म का आरोप

जींद। युवती को शादी का झांसा देकर बंधक बना दुष्कर्म करने पर महिला थाना पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ दुष्कर्म करने, बंधक बनाने सहयोग करने समेत विभिन्न धाराओं के तहत जीरो एफआईआर दर्ज कर कैथल पुलिस को भेजी है। सिविल लाइन थाना इलाके की युवती ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत 13 दिसंबर को गांव गुलाडी पंजाब निवासी मंजीत उसे शादी का झांसा देकर साथ गांव जमालपुर सुरजाखेड़ा ले गया।

सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का हुआ समापन

- स्वयं सेवकों व सेविकाओं को संस्कृति,संस्कार, जल एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति किया गया जागरूक
- देश के महापुरूषों एव शहीदों की शिक्षाओं को आत्मसात करे विद्यार्थी :चरणदास

पेंटिंग, स्लोगन, कविता पाठ सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं में सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागियों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

गांव गोलपुरा स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में जारी राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर संपन्न हुआ। इस मौके पर बालयोगी महंत चरणदास का विशेष सान्निध्य रहा। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. हरेंद्र सिंह पुनिया सहित समस्त स्टाफ सदस्यों ने बालयोगी महंत चरणदास का फूल.मालाओं से स्वागत किया। शिविर के समापन कार्यक्रम की शुरूआत महंत ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्प अर्पण से की। स्वयं सेविकाओं द्वारा विद्यालय में पहुंचे अतिथिगणों के समक्ष शारदे वंदना एवं एनएसएस लक्ष्य गीत की मनोहारी प्रस्तुति दी गई। नोडल अधिकारी विरेंद्र द्वारा सभी आगंतुकों का स्वागत किया गया। इस मौके पर महंत चरणदास ने स्वयं सेवकों व स्वयं सेविकाओं को संस्कृति, संस्कार, जल एवं पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सद्भावना सहयोग एवं लक्ष्य प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयासरत रहने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को चाहिए कि देश के महापुरूषों, देशभक्तों,शहीदों, ईमानदार व कर्तव्यनिष्ठ व्यक्तियों के जीवन आदशार्े से प्रेरणा लेकर उनकी शिक्षाओं को अपने जीवन में आत्मसात करें तथा समाज व राष्ट्र की उन्नति में अपना योगदान दे। इस मौके पर सतीश फौगाट द्वारा स्वयं सेवकों व सेविकाओं को सडक़ सुरक्षा एवं यातायात नियमों के पालन का पाठ पढ़ाया गया। इस मौके पर कार्यक्त्रम अधिकारी डॉ. हरेंद्र सिंह पुनिया ने कहा कि स्वयं सेवकों ने विद्यालय प्रांगण के साथ.साथ मुख्य रास्ते को भी सुंदर बनाया। विद्यालय के लॉन की सफाई व पौधों में पानी देने का कार्य बड़ी ही रूचि लेकर किया। सात दिवसीय शिविर के दौरान पेंटिंग, स्लोग्न, कविता पाठ सहित विभिन्न गतिविधियों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर विद्यार्थियों को नशे के खिलाफ शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर लाजपतराय, महेंद्र सिंह, अनिल, दयानद, दरिया सिंह आदि मौजूद रहे।

भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित महंत व प्रतिभागी।

स्कूल प्रशासक रहेजा ने रैली को झंडी दिखाकर किया रवाना

स्वयंसेवकों ने पर्यावरण संरक्षण के लिए शहर में निकाली जागरूकता रैली

स्वयंसेवकों ने आपसी सहयोग एवं सौहार्द को बनाए रखने के लिए सहभोज का आयोजन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

हलवासिया विद्या विहार में सात दिवसीय शिविर के छठे दिन शनिवार को स्वयंसेवकों ने शहर में पर्यावरण जागरूकता रैली निकाली। स्वयंसेवकों ने आपसी सहयोग एवं सौहार्द को बनाए रखने के लिए सहभोज का आयोजन किया, जिसमें सभी विद्यार्थियों ने एक साथ विभिन्न अन्न एवं खाद्य सामग्री से निर्मित जैसे बाजरे की खिचड़ी, बाजरे की रोटी, लहसुन की चटनी आदि व्यंजनों का आनंद लिया, जिसमें सभी विद्यार्थियों के लिए जलपान की व्यवस्था की गई।

भिवानी। जागरूकता रैली को झंडी दिखाकर रवाना करते प्रशासक दीवानचंद रहेजा।

स्वयंसेवकों द्वारा निकाली गई पर्यावरण संरक्षण के लिए पर्यावरण जागरूकता रैली को विद्यालय परिसर से प्रशासक दीवानचंद रहेजा, काउंसलर मोहिनी मेहता, विभाग प्रमुख एलेक्जेंडर ने हरी झंडी दिखाकर एनएसएस प्रभारी कविता तंवर के निर्देशन में रवाना किया, जिसमें स्वयंसेवकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए पर्यावरण को बचाना है, धरती को स्वर्ग बनाना है एवं जन-जन को बताना है, पर्यावरण को बचाना है जैसे बुलंद आवाज में नारे लगाए।

जागरूकता रैली विकास नगर से शुरू होकर रोहतक गेट,सब्जी मंडी, फैंसी चौक, महम चौक से होते हुए वापस विद्यालय पहुंची। इस अवसर पर संगीताचार्य गोविंद प्रताप मिश्रा, आचार्य मनोज शर्मा, आचार्या सीमा, मोनिका मेहता आदि उपस्थित रहे।

स्वयंसेविकाओं को समाज हित में कार्य करने की दी प्रेरणा

- कन्या स्कूल खरककलां में एनएसएस शिविर संपन्न

भिवानी। खरककलां गांव के राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में प्राचार्या डॉ. रीमा परमार की अध्यक्षता में चल रहे सात दिवसीय एनएसएस शिविर का समापन हुआ। समापन समारोह में मुख्यतिथि के रूप में एनएसएस जिला समन्वयक एवं कार्यकारी खंड शिक्षा अधिकारी आनंद शर्मा व विशिष्ट अतिथि के रूप में जनसंपर्क विभाग से सेवानिवृत धर्मवीर नागर ने शिरकत की। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथिगणों, प्राचार्या व एनएसएस अधिकारी ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष द्वीप प्रज्ज्वलित करके किया। स्वच्छ भारत अभियान से संबंधित गतिविधियां मेनका एंड टीम द्वारा प्रस्तुत की गई, जिनके लिए मंच संचालिका का कार्यभार भारती ने संभाला। प्राचार्या डॉ. रीमा ने अतिथिगणों का स्वागत किया तथा एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी सुषमलता ने शिविर के सातों दिनों की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। मुख्यतिथि आनंद शर्मा ने स्वयंसेविकाओं को समाजहित के लिए कार्य करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि शिविर जागरूकता के लिए मील का पत्थर साबित होते हैं और इनमें भाग लेने वाले विद्यार्थी समाज के लोगों के साथ मिलकर समाजहित के लिए कार्य करना सीख जाते हैं। विशिष्ट अतिथि धर्मवीर नागर ने विद्यालय की निष्ठावान व अनुशासित टीम का उत्साहवर्धन किया और बालिकाओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में सुरूचि, राजकुमार, राकेश, पूनम व अन्य स्टाफ सदस्यों ने अपना योगदान दिया।

ऐतिहासिक होगा दादरी कांग्रेस का सम्मेलनः

चरखी दादरी। आगामी 11 जनवरी को दादरी में होने वाले कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन में युवाओं की अधिक से अधिक भागीदारी होगी। सम्मेलन के प्रति युवाओं में जबरदस्त उत्सव का माहौल देखने को मिल रहा है, ये बात कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अनिल धनखड़ ने क्षेत्र के गांव छपार में ग्रामीणों को सम्मेलन का निमंत्रण देते हुए कही। धनखड़ व पूर्व जिला पार्षद धर्मेंद्र सांगवान छपार ने कहा कि भाजपा-जजपा ने हरियाणा को देश में महंगाई में भी नंबर वन बना दिया। गठबंधन सरकार के राज में प्रदेश में सबसे महंगी बिजली है और लोगों के घरों के हजारों में बिजली बिल आ रहे हैं, क्योंकि सरकार अडानी कंपनी से सस्ती बिजली का समझौता बदलवाकर हरियाणा के उपभोक्ता को महंगी बिजली दिलवा रही है। नए साल में किसान पर अत्याचार करने वाली भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार जाएगी और किसानों को धान, पॉपुलर गन्ने का सबसे ज्यादा भाव देने वाली कांग्रेस सरकार आएगी।

घसौला में मेडिकल कॉलेज की स्वीकृति पर चिकित्सकों ने विधायक को किया सम्मानित

चरखी दादरी। मेडिकल कॉलेज का निर्माण होने के बाद से दादरी जिले में वर्षों से चली आ रही चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ की कमी को दूर किया जा सकेगा। जिससे जिला वासियों को बेहतर और आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी और आमजन को सहुलियत मिलेंगी, ये बात विधायक नैना सिंह चौटाला ने दादरी शहर के चिकित्सकों के साथ जिला की स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में चर्चा करते हुए कही। विधायक नैना ने शहर के चिकित्सकों के साथ जिले में विद्यमान स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं व उनके निराकरण बारे विचार-विमर्श किया। दादरी शहर के चिकित्सकों ने घसौला में मेडिकल कॉलेज स्वीकृत करवाने पर विधायक नैना को सम्मानित कर धन्यवाद व्यक्त किया। विधायक नैना सिंह ने दादरी व बाढ़ड़ा विधानसभा क्षेत्र की बूथ सखी और बूथ योद्धा कार्यक्रम की समीक्षा बैठक को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि पार्टी द्वारा नियुक्त किए बूथ योद्धा और बूथ सखी ही आगामी चुनाव में जननायक जनता पार्टी की विचारधारा के ध्वज वाहक होंगे। बूथ सखी और बूथ योद्धा के दम पर ही दुष्यंत चौटाला प्रदेश के मुख्यमंत्री बनेंगे।

प्रदर्शन में बढ़चढ़ भाग लेने का किया आह्वान

जींद। नौ जनवरी को प्रदर्शन की तैयारियों को लेकर जींद में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी का जत्था रूपगढ़, मांडोखेड़ी, निर्जन, लोहचब आदि गांवों में पहुंचा और जनसभाएं की। जनसभाओं को कपूर सिंह, संदीप जाजवान, पवन कुमार, रणधीर सिंह ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि नौ जनवरी को जींद में होने वाले विशाल प्रदर्शन को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

प्रॉपर्टी टैक्स 29 फरवरी तक जमा करवाएं

जींद। स्थानीय कर सलाहाकार एवं पूर्व नगर पार्षद जिले सिंह जागलान ने प्रदेश सरकार के उस फैसले की सराहना की है जिसमें जायदाद मालिकों को प्रॉपर्टी टैक्स जमा करवाने की अंतिम तिथि 29 फरवरी तक बढा दी है। क्योंकि नगर परिषदों का प्रॉपर्टी टैक्स की भारी रकम जायदाद मालिकों की तरफ बकाया है।

संदिग्ध हालात में महिला लापता, शिकायत दर्ज

जींद। गांव मोहलखेड़ा से महिला के गायब होने पर सदर थाना नरवाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ बंधक बनाने का मामला दर्ज किया है। गांव मोहलखेड़ा निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत दिवस उसकी 25 वर्षीय पत्नी घर से गायब हो गई। तलाशने तथा पूछताछ करने पर उसकी पत्नी का कोई सुराग नहीं लगा।

लोगों के मनों में बस चुके दुष्यंत : गंगादत्त

उचाना। जजपा बीसी प्रकोष्ठ उचाना हलकाध्यक्ष गंगादत्त पांचाल ने कहा कि प्रदेश के लोगों के मनों में डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला बस चुके है। जजपा ने गठबंधन सरकार में जनता से किए गए वायदों को निभाने का काम किया है। डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला जो कहते है वो करते है। कथनी करनी में कोई अंतर नहीं है।

तोशाम। स्वयंसेवकों को पुरस्कृत करते बीईओ बहल शिवकुमार तंवर व अन्य।

स्लोगन राइटिंग में रेशमा ने पाया प्रथम स्थान

तोशाम। राजकीय मॉडल संस्कृति वमा विद्यालय तोशाम में सात दिनों से चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर का शनिवार को समापन हो गया, जिसमें मुख्यतिथि खंड शिक्षा अधिकारी बहल शिवकुमार तंवर को आमंत्रित किया गया। उन्होंने मां सरस्वती की प्रतिमा के सामने द्वीप प्रज्ज्वलित करके किया। उन्होंने सभी स्वयंसेवकों को नि:स्वार्थ भाव से काम करने और राष्ट्र निर्माण का संदेश दिया। साथ ही प्राचार्य सुदेश कुमार ने शिविर में कार्यक्रम अधिकारी ज्योति रानी व स्वयंसेवकों द्वारा की गई गतिविधियों की खूब सराहना की। कार्यक्रम अधिकारी ज्योति रानी ने प्रत्येक दिवस की गतिविधियों की पीपीटी बनाकर कैंप में मुख्यतिथि के सामने प्रस्तुत की, जिसे मुख्यतिथि ने खूब सराहा। शिविर 31 दिसंबर से 6 जनवरी तक चला। शिविर में स्वयंसेवकों ने स्लोगन राइटिंग में रेशमा, मनजीत और संजीव ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान जीता। पोस्टर मेकिंग में निशा, रोहित व दीपिका ने क्रमशः प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। निबंध लेखन में गीत ने प्रथम, पायल ने द्वितीय और शिक्षा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। समारोह में स्वयंसेविका रितु ने नृत्य कला एवं किरण ने रागनी प्रस्तुत की। भाषण में गीता ने प्रथम, पंकज नफरिया ने द्वितीय व रेशमा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्राचार्य ने मुख्यतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर रणवीर, योगेश, मांगेराम आदि मौजूद रहे।

श्रीराम का चरित्र परम पवित्र :मिश्र

भिवानी। रावण ने मारीच को सोने का हिरण बनाकर राम ओर सीता के पास भेजा।तब सीता ने उसे पकड़ने के लिए राम को भेज दिया। रावण ने छल से सीता का हरण कर लिया।ये विचार दिनोद रोड बृजवासी कॉलोनी में आयोजित श्री राम कथा मानस यज्ञ के छठे दिन भक्तजनों का अध्यात्मिक मार्गदर्शन करते हुए डॉक्टर विनय मिश्र ने कहे। श्रीराम चरित्र अति विचित्र है और उन्होंने कहा कि परम पवित्र भी है। देवता भी श्रीराम के चरित्र के रहस्य को नहीं समझ पाते। श्रीरामचरित मानस का मुख्य सारांश यही है कि हमें प्रभु श्री राम की तरह मर्यादित होकर अपने जीवन के उत्तरदायित्व को निभाना होगा। आज पाश्चात्य संस्कृति के बढ़ते प्रचलन के चलते जिस प्रकार से भारतीय संस्कृति के मूल्यों पर प्रहार हो रहा है, उसी के परिणामस्वरूप आज हमारी युवा पीढ़ी तेजी से भ्रमित हो रही है।

संकल्प यात्रा से हर व्यक्ति को मिला लाभ

- विकसित भारत संकल्प यात्रा ने एक बड़ा पड़ाव पार कर लिया,
- अल्प अवधि में 10 करोड़ से अधिक लोग यात्रा में शामिल हुए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

विकसित भारत संकल्प यात्रा से प्रत्येक व्यक्ति को लाभ मिल रहा है। यात्रा से लोगों के काम गांव में ही पूरे हो रहे हैं। उनको अब काम के लिए सरकारी कार्यालय के चक्कर नहीं काटने पड़ते। सरकार का लक्ष्य भी यात्रा के माध्यम से अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। यह बात भाजपा जिला महामंत्री राजेश बंटी ने विकसित भारत संकल्प यात्रा में ग्रामीणों से रूबरू होते हुए कही। विकसित भारत संकल्प यात्रा ने एक बड़ा पड़ाव पार कर लिया। अल्प अवधि में 10 करोड़ से अधिक लोग यात्रा में शामिल हो चुके हैं, ये चौंका देने वाली संख्या विकसित भारत के साझा दृष्टिकोण के साथ देशभर के लोगों को एकजुट करने में यात्रा के गहरे प्रभाव और बेजोड़ क्षमता का संकेत देती है। यात्रा को मिला व्यापक समर्थन विकसित भारत के निर्माण के प्रति नागरिकों के दृढ़ समर्पण को दर्शाता है। बंटी ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि कोई भी व्यक्ति सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। विकसित भारत संकल्प यात्रा में लोगों के कामों के पर ही निपटाए जाते हैं। लोगों को फैमिली आईडी, आधार कार्ड व बुढ़ापा पेंशन सहित अन्य दस्तावेज बनवाने के लिए शहर को तरफ भागना पड़ता था, लेकिन संकल्प यात्रा से ये सभी कार्य मौके पर होते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश व केंद्र सरकार ने आम जनता की भलाई के लिए अनेक योजनाएं संचालित की हैं, जिसका सीधा लाभ लोगों तक पहुंच रहा है।

चरखी दादरी। ग्रामीणों को संबोधित करते राजेश बंटी। फोटो : हरिभूमि

बाढ़ड़ा में मुख्य रास्ते पर दूषित जलभराव होने से ग्रामीण परेशान

बाढ़ड़ा। बाढ़ड़ा गांव में जल निकासी के पुख्ता प्रबंध नहीं होने के कारण लोगों को दूषित जलभराव की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। अधिकारियों को समस्या से अवगत करवाने के बाद भी समाधान नहीं होने पर ग्रामीणों में रोष बना हुआ है और उन्होंने शीघ्र इस पर संज्ञान नहीं लिए जाने पर कड़ा कदम उठाने की चेतावनी दी है। बाढ़ड़ा निवासी रतिराम, बलबीर, ताराचंद, विकास, मनोज, सतपाल, भीम आदि ने बताया कि नौघरा पाना के समीप खेतों की ओर जाने वाले मुख्य रास्ते पर बीते काफी समय से दूषित पानी जमा हैं। पानी निकासी के प्रबंधों के अभाव में गली ने छोटे तालाब का रूप ले लिया है और वहां से निकलना मुश्किल हो गया। रास्ते से अपने खेतों में जाने वाले किसानों व पशुचारा के लिए जाने वाली महिलाओं को खासी दिक्कतें उठानी पड़ती हैं।

धोखाधड़ी से खातों से निकाली राशि ब्याज समेत देने की मांग

धोखाधड़ी के खिलाफ किसानों का धरना रहा जारी

- सरकार की नीतियों व मौसम की मार के बाद अब अधिकारी के लालच का शिकार हुए अन्नदाता : कुंगड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

गांव कुंगड़ स्थित एसबीआई के पूर्व मैनेजर द्वारा किसानों से धोखाधड़ी कर उनके खातों से निकाली गई राशि वापिस उन्हे देने की मांग को लेकर शनिवार को अन्नदाताओं का धरना चौथे दिन भी जारी रहा। इस दौरान किसानों ने कहा कि जब तक उन्हे उनकी राशि वापिस नहीं मिल जाती, उनका धरना यू ही जारी रहेगा।

शनिवार को धरने की अध्यक्षता किसान चंद्रभान ने की तथा संचालन ग्राम स्वराज्य किसान मोर्चा के बवानीखेड़ा ब्लॉक प्रधान चांदीराम कुंगड़ ने की। इस मौके पर ब्लॉक प्रधान चांदीराम कुंगड़ ने कहा कि इस कडक़ड़ाती ठंड में जहां घर से निकलना भी दूभर है, वही धोखाधड़ी का शिकार हुए अन्नदाता अपनी ही राशि लेने की मांग को लेकर धरने पर बैठने को मजबूर है। उन्होंने कहा कि गांव कुंगड़ स्थित एसबीआई के पूर्व मैनेजर द्वारा सैंकड़ों किसानों के किसान क्त्रेडिट कार्ड के खातों व स्थायी जमा योजना से करोड़ों रुपये निकाल कर बड़ा घोटाला किया था तथा बैंक द्वारा किसानों को रूपये जमा करवाए जाने के नोटिस भेजे जा रहे है। ऐसे में किसान अब अपना रूपया ब्याज समेत वापिस देने की मांग को लेकर धरनारत्त है। हालांकि बीते दिनों बैंक के उच्च अधिकारियों द्वारा उन्हे 45 दिनों में रूपया वापिस दिए जाने का आश्वासन दिया था। लेकिन जब तक किसानों को उनका रूपया वापिस नहीं मिल जाता, उनका धरना जारी रहेगा। कुंगड़ ने कहा कि देश का अन्नदाता कभी मौसम की मारए कभी सरकार की नीतियों तो कभी लालच का शिकार होकर हमेशा मानसिक परेशानियों के बीच घिरा ही रहता है।

उन्होंने कहा कि आज जनता सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक पर पूरा भरोसा करती ह, जिनकी आंतरिक ऑडिट से लेकर हर प्रकार से निगरानी रखी जाती है, जिसके बावजूद भी इतने बड़े घोटाले को अंजाम देना दुर्भाग्यपूर्ण है। इस अवसर पर दिलबाग, बालीराम, मेहताब, सुलतान जांगड़ा, रतीराराम जांगड़ा, सत्यान बेनिवाल, राजेश, बेदप्रकाश, कामरेड खेड़ी, रमेश कामरेड, मोहन सिहाग, समाज कुंगड़ सहित अनेक किसान मौजूद रहे।

भिवानी। मांगों को लेकर धरने पर बैठे किसान।

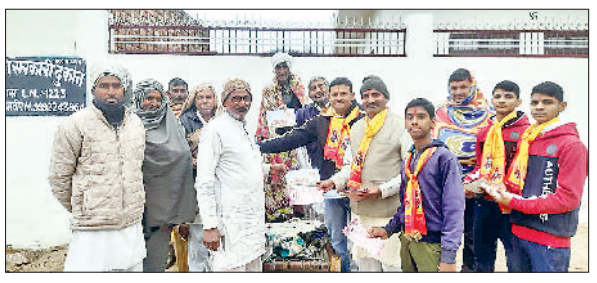

लालावास और पोहकरवास में अक्षत व पत्रक दे दिया निमंत्रण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास अयोध्या के तत्वाधान में श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा अभियान को लेकर अयोद्धा से आए अक्षत का गांव लालावास व पोहकरवास में स्वागत किया। गांव के मंदिर में रामभक्त गले में श्रीराम नाम के फटके और हाथ में ध्वज लेकर पहुंचे, जहां से गांव में अक्षत, पत्र और भव्य श्रीराम मंदिर के चित्र हर घर में पहुंचाए और ग्रामीणों को न्योता किया। बीडीसी रमेश लालावास व मंडल संयोजक अनिल ने बताया कि 492 वर्ष के संघर्ष एवं श्रीराम भक्तों के बलिदान के बाद ये शुभ अवसर आया है। 22 जनवरी को अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम किया जाएगा। कार्यक्रम का निमंत्रण घर-घर पहुंचाने के लिए एक जनवरी से 15 जनवरी तक हिंदू समाज के सहयोग से घर-घर संपर्क अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत प्रत्येक घर में श्रीराम मंदिर का चित्र, पत्रक और निमंत्रण के लिए अक्षत (पीले चावल) दिए। गांव के मंदिर में श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम सामूहिक रूप से लाइव दिखाया जाएगा।

खबर संक्षेप

एसएसजे फाउंडेशन ने वितरित किए कंबल

लोहारू। सुशील जोशी फाउंडेशन के संस्थापक मुकेश जोशी ने कहा कि जरूरतमंदों की सहायता करना सबसे बड़ी मानवता है, प्रत्येक व्यक्ति को अपने सामर्थ्य अनुसार जरूरतमंद की सहायता करनी चाहिए। जोशी शनिवार को अपने पिता स्वर्गीय सुशील जोशी की प्रथम पुण्यतिथि पर इलाके के श्रमिक कामगारों एवं जरूरतमंदों कम्बल वितरण कर रहे थे।

विश्व मानव रूहानी केन्द्र ने बांटे कंबल

भिवानी। मानव कल्याण के लिए समय-समय पर जनहित के कार्य कर रही विश्व मानव रूहानी केन्द्र की शाखा ने जरूरतमंद लोगों व स्लम बस्तियों में कड़ाके की ठंड को ध्यान में रखते हुए 115 गर्म कंबल वितरित किए। संस्था के सदस्य उलफत सिंह, रामकिशन, रोहताश कुमार, शकुंतला, ईश्वर सिंह, नाहनी देवी आदि ने बताया कि शाखा द्वारा नववर्ष के आगमन पर भी 30 दिसंबर को 101 कंबल वितरित किए थे।

छात्रों को नशामुक्ति का दिया संदेश

बहल। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मंढोलीकलां में चल रहे एनएनएस शिविर के दौरान विद्यार्थियों को नशामुक्ति का संदेश दिया गया। विद्यार्थियों से कहा गया कि वे नशे जैसी बुराई की लत से दूर रहकर अपने देश व समाज के निर्माण में सहयोग दें। शनिवार को एनएसएस अधिकारी राजेश पहाड़ी के नेतृत्व में शिवरार्थियों के लिए नशा मुक्ति व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

एसयूसीआई ने मार्क्सवादी लेनिन को किया नमन

भिवानी। महान मार्क्सवादी दार्शनिक, शिक्षक व चिंतक लेनिन की 100वीं बरसी पर एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) ने सैनी धर्मशाला में स्मृति सभा आयोजित की, जिसकी अध्यक्षता पार्टी के जिला सचिव रोहतास सिंह ने की। सभा के मुख्य वक्ता पार्टी के राज्य सचिवमंडल सदस्य रामफल रहे। सभा को धर्मवीर सिंह, मास्टर बस्तीरामह, विनोद आदि ने संबोधित किया।

अस्थायी मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों पर लगाई बांड राशि पर जताया विरोध

ऑल हरियाणा प्राइवेट स्कूल संघ ने विधायक सर्राफ को सौंपा ज्ञापन

इस वर्ष बिना बांड राशि की शर्त के प्राइवेट स्कूलों को दी जाए मान्यता : शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। विधायक सर्राफ को ज्ञापन सौंपते ऑल हरियाणा प्राइवेट स्कूल संघ।

सात तक मांग नहीं मानी तो 8 से 10 तक देंगे सांकेतिक धरना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

प्रदेश में चल रहे अस्थायी मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों पर लगाई गई बांड राशि के विरोध में ऑल हरियाणा प्राइवेट स्कूल संगठन लामबद्ध होकर सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की।

इसके बाद सभी प्राइवेट स्कूल संघ संचालकों ने उपप्रधान घनश्याम शर्मा की अध्यक्षता में विधायक घनश्याम सर्राफ के आवास पर पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। शर्मा ने सरकार से मांग की कि बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए सत्र 2023-2024 के लिये अस्थायी स्कूलों को इस वर्ष बिना बांड राशि की शर्त के मान्यता दी जाए, ताकि इन स्कूलों में पढ़ने वाले हजारों बच्चे बोर्ड की परीक्षा में शामिल हो सके। उन्होंने कहा कि इन स्कूलों को नियमों में छूट देते हुए स्थायी मान्यता दी जावे। इस अवसर पर मास्टर बसंत शर्मा, अजीत बामला, सतीश शर्मा, केलाश कौशिक, ओमबीर तंवर, राजकुमार, नरेंद्र, जयपाल, पवन महता, सोमदत्त, नरेश अरोड़ा, नीरज, रमेश भारद्वाज, मुकेश सहित अनेक प्राइवेट स्कूल संघ संचालक मौजूद थे।

राज्य कार्यकारणी के आह्वान पर बढ़ाए हुए वेतनमान को 1 जनवरी 2016 से काल्पनिक और 25 जनवरी 2023 से वास्तविक रूप से लागू करवाने के लिए आज चौथे दिन भी सरकार ने हमारी मांग नहीं मानी और न ही सरकार ने बातचीत के लिए बुलाया। अगर सरकार 7 जनवरी को भी वार्ता के लिए नहीं बुलाती तो 8-9-10 जनवरी को राज्य कार्यकारिणी के आह्वान पर फिर से सांकेतिक धरना दिया जाएगा। पटवार एवं कानूनगो एसोसिएशन के जिला उपप्रधान विकास राठी ने कहा कि वर्ष 2016 से लंबित पटवारी एवं कानूनगो की सर्कलबंदी का कार्य जल्द से जल्द किया जाए। हरियाणा में पटवारियों के लगभग 4000 पद हैं, जबकि मात्र 1400 राजस्व पटवारी कार्यरत हैं खाली पदों पर तुरंत भर्ती की जाए। वहीं राजस्व पटवारी द्वारा की जाने वाली स्कूल व फील्ड ट्रेनिंग की डेढ़ वर्षीय ट्रेनिंग की अवधि को सेवाकाल मे जोड़ा जाए। इसके साथ ही उन्होंने आम जनता से भी सहयोग की अपील की।

बीआरसीएम स्कूल में बेस्ट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता का आयोजन

- प्रतियोगिता में अनु, सपना ने पहला, राखी, कंचन ने दूसरा व रीना,मुस्कान ने तीसरा स्थान प्राप्त किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहल

बीआरसीएम ज्ञानकुंज स्कूल में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना सात दिवसीय शिविर के पांचवें दिन बेस्ट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में शिविरार्थियों ने अनुपयोगी वस्तुओं से उपयोगी चीजें बनाई। प्रतियोगिता में अनु, सपना ने पहला, राखी, कंचन ने दूसरा व रीना,मुस्कान ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। शनिवार को आयोजित शिविर में सेवानिवृत प्राचार्य आर्य समाजी बिमला श्योराण मुख्यातिथि व जीडीसी महाविद्यालय बहल के प्राध्यापक डॉ. अशोक पिलानिया विशिष्ट अतिथि रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम अधिकारी जोगेंद्र सिंह व रेनू गाढ़ा के कुशल नेतृत्व में वॉलिंटियर्स ने बेस्ट आउट ऑफ़ वेस्ट प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतिभागियों ने एक से बढकर एक उपयोगी चीजें बनाकर दिखाई। स्वयंसेविका प्रिया ने देश भक्ति गीत सुनाकर सबका मन मोह लिया।

दूसरों के लिए जिएं

प्राचार्य बिमला श्योराण ने कहा कि एनएसएस शिविरों से विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ समाज के बारे में जानने व उनकी समाज के प्रति क्या जिम्मेदारी है इसकी जानकारी प्राप्त होती है। एनएसएस का आदर्श वाक्य नॉट मी बट यू को परिभाषित करते हुए उन्होंने कहा कि हमें स्वयं के लिए नही अपितु दूसरों के लिए जीना। चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण और जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई। विशिष्ट अतिथि डॉ॰ अशोक पिलानिया ने कहा कि वर्तमान समय में जिस प्रकार ऐतिहासिक संसाधनों का दोहन हो रहा है उनके संरक्षण हेतु प्रत्येक नागरिक का यह दायित्व है कि वह जागरूक हो। प्रधानाचार्य राजेश कुमार झाझरिया ने कहा कि एनएसएस विद्यार्थियों में शिक्षा के साथ नैतिक शिक्षाए कौशल शिक्षा व स्वालंबन की भावना को विकसित करने का श्रेष्ठ मंच प्रदान करता है। निदेशक डॉ. एसके सिन्हा ने कहा जो विद्यार्थी अपने माता,पिता व अपने गुरुजनों की आज्ञा का पालन करते हैं वही सर्वश्रेष्ठ नागरिक बनते हैं।

गांवों की फिरनियों में एलईडी लाइट लगाने के लिए 5.89 करोड़ स्वीकृत

- जिले के लोहारू क्षेत्र के तीन गांव में सामुदायिक केंद्रों के निर्माण के लिए 9 .36 करोड़ की राशि मंजूर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

उपायुक्त नरेश नरवाल ने बताया कि जिले के हर ब्लॉक में पांच पांच गांव की फिरणियो को जगमग किया जाएगा। इन गांव की फिरनियों में 90 वोल्ट की एलइडी लाइट लगाकर चकाचक किया जाएगा। 39 गांव की फिरणियो में एलईडी लाइट लगाने के लिए 5ण्89 करोड स्वीकृत किए गए है। इसके अलावा जिले के लोहारू क्षेत्र के तीन गांवो में सामुदायिक केंद्रों के निर्माण के लिए 9.36 करोड़ की राशि मंजूर की गई है।

उपायुक्त ने बताया कि जिले के लोहारू उपमंडल के तीन गांव में सामुदायिक केंद्रों का निर्माण करवाया जाएगा। इसके लिए मुख्यमंत्री घोषणा में 9 करोड़ 36 लाख रुपए की राशि मंजूर की गई है। उन्होंने बताया कि गांव ओबराए चैहड़ कलां तथा मंढोली कलां गांव में सामुदायिक केंद्रों का निर्माण करवाया जाएगा। प्रत्येक सामुदायिक केंद्र के निर्माण पर 3 करोड़ 12 लाख की राशि मंजूर की गई है। दो एकड़ भूखंड में इनका निर्माण करवाया जाएगा और निर्धारित समय अवधि में यह निर्माण कार्य संबंधित विभाग द्वारा पूरा कर लिया जाएगा। उपयुक्त नरवाल ने बताया कि भिवानी खंड के बापोड़ा दिनोद चांग तिगड़ाना बामला देवसर धनाना केलंगा और खरक कलां तथा बवानी खेड़ा खंड के गांव बलयाली, लोहारी जाटू, पुर,बड़सी,प्रेमनगर गांवो की फिरनियो में एलईडी लाइट लगाई जाएगी। उपायुक्त ने बताया कि लोहारू खंड में गांव सोहांसड़ा,सिंघानी,ढिगावा जाटान,कुड़ल तथा खरकड़ी की फिरनियों में एलईडी लाइट लगाई जाएगी। बहल ब्लॉक में बहलएमंढोली कलांएचैहड़ कलांए बिधनोई तथा पातवान में लाइट लगाई जाएगी। सिवानी ब्लॉक में गांव बड़वाए गुरेरा, मंढोली खुर्द, विधवान तथा नलोई गांव में लाइट लगाई जाएगी। तोशाम ब्लॉक में तोशाम, खानक,सांडवा, ढाणी माहू तथा सागवान गांव की फिरणियो में एलईडी की 90 वोल्ट की लाइट लगाई जाएगी।

आपदाओं के बचाव संबंधी दी जानकारी

- गिगनाऊ में पांच दिवसीय लाइफ स्किल डेवलपमेंट शिविर संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लोहारू

भिवानी। गिगनाऊ में स्किल डेवलपमेंट शिविर में हिस्सा लेते हुए छात्राएं।

स्वतंत्रता सेनानी चौधरी जगराम राजकीय वमा विद्यालय गिगनाऊ में आयोजित पांच दिवसीय लाइफ स्किल डेवलपमेंट शिविर शनिवार को संपन्न हुआ। समापन पर प्राचार्य राजेंद्र प्रसाद ने छात्राओं को उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशंसा पत्र प्रदान किए। प्राचार्य ने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी प्रतिभाशाली होता है तथा विद्यार्थी को अपने अंदर छिपी हुई प्रतिभा को आगे लाने का प्रयास करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि आने वाला समय चुनौतीभरा है, केवल हुनरमंद युवा ही कामयाबी हासिल कर पाएगा।

प्रवक्ता श्यामसुंदर सांगवान ने विद्यार्थियों से कहा कि शिक्षा विभाग द्वारा समय समय पर ऐसे शिविर आयोजित किए जाते हैं ताकि बच्चों में रुचि अनुसार स्किल पैदा की जा सके। शिविर में कक्षा नौवीं से बारहवीं की छात्राओं ने भाग लिया, जिसमें विद्यार्थियों में विभिन्न स्किल डेवलपमेंट के लिए विषय विषय विशेषज्ञ बुलाकर छात्रों से रूबरू करवाया। स्वास्थ्य विभाग से एमपीएचडब्ल्यू मनीष ने बच्चों में किशोर अवस्था में हो रही बदलाव के बारे में बताया और व्यक्तिगत स्वास्थ के बारे में जागरूक किया। जैविक कृषि और बागवानी के बारे में कृषि विकास अधिकारी डॉ संदीप यादव ने विस्तार से प्रकाश डाला।

ब्यूटी पार्लर संचालिका कमलेश ने छात्राओं को ब्यूटी संबंधी टिप्स दिए। शिविर के अन्तिम दिन फर्स्ट ऐड के बारे में सतीश कुमार मेचू ने छात्रों को आए दिन होने वाली सड़क दुर्घटनाओं व प्राकृतिक आपदाओं के बचाव संबंधी जानकारी दी। कंवरभान दहिया ने छात्राओं को आर्ट एंड क्राफ्ट व नवीन कुमार सोनी ने डाक विभाग की विभिन्न बचत योजनाओं व डॉ. मधुलिका यादव, नीलम जाखड़ और पुष्पा रानी ने छात्राओं से हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं की बारीकियों पर प्रकाश डाला। इस मौके पर एबीआरसी उमेश सिंह डूडी, मुकेश शर्मा, संजय तंवर आदि उपस्थित रहे।

सिंगला की पुण्यतिथि पर स्वास्थ्य जांच व रक्तदान शिविर 14 को

तोशाम। प्रसिद्ध समाजसेवी एवं कांग्रेस नेता रहे स्वर्गीय कृष्ण कुमार सिंगला की तीसरी पुण्यतिथि पर 14 जनवरी को ताराचंद कृष्ण कुमार सिंगला चैरिटेबल सोसायटी तोशाम व भारत विकास परिषद द्वारा केके सिंगला चैरिटेबल अस्पताल में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा, जिसमें हिसार के प्रसिद्ध अस्पताल सर्वेश हेल्थ सिटी एवं महात्मा गांधी अस्पताल के विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ करीबन एक दर्जन चिकित्सक मरीजों की जांच करेंगे। शिविर आयोजक एवं सोसायटी के सदस्य अशोक कुमार सिंगला ने बताया कि स्वर्गीय कृष्ण सिंगला की पुण्यतिथि पर आयोजित स्वास्थ्य जांच शिविर में हिसार के सर्विस हेल्थ सिटी से रेडियोलॉजिस्ट डॉ. आशु सिंगला, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रसून कामरा, जनरल सर्जन एवं स्तन रोग विशेषज्ञ डॉ. सुजाता एस अग्रवाल आदि जांच करेंगे।

मुख्यमंत्री ने उपायुक्तों के साथ संकल्प यात्रा को लेकर की वीडियो कांफ्रेंस

चरखी दादरी। मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने प्रदेश के उपायुक्त के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग से बैठक कर विकसित भारत संकल्प यात्रा की समीक्षा की। उपायुक्त मनदीप कौर ने जिले के बारे में जानकारी सांझा की। बैठक में विकसित भारत जनसंवाद संकल्प यात्रा को लेकर उपायुक्त ने बताया कि जिला में दो ब्लॉक के सभी गांवों में यात्रा के कार्यक्रम संपन्न हो चुके हैं और बाकी दो ब्लॉक के कार्यक्रम में आगामी 11 जनवरी को खत्म हो जाएंगे। अभी तक हुए सभी कार्यक्रम सफल रहें हैं और हजारों लोगों ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ उठाया है। इन कार्यक्रमों में जिला के सभी विभागों के द्वारा स्टॉल लगाकर योजनाओं की जानकारी भी दी गई है। उन्होंने बताया कि इन कार्यक्रमों के दौरान नागरिकों की समस्याओं का तुरंत समाधान करने की कोशिश की जा रही है। साथ ही पात्र नागरिकों का योजनाओं के लिए पंजीकरण करवाया जा रहा है। इसके लिए अलग से काउंसलिंग डेस्क भी स्थापित किया गया है ताकि लोगों को उनसे संबंधित योजनाओं का लाभ लेने में किसी प्रकार की परेशानी ना हो। बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त एवं नगर आयुक्त डॉ. जयेन्द्र, जिला परिषद सीईओ प्रदीप कौशिक, सीटीएम आशीष सांगवान व शुभम आदि मौजूद रहे।

शिविर में दिए निरोग रहने के टिप्स

- बीके वमावि,बवानी खेड़ा के प्रांगण राष्ट्रीय सेवा योजना के साप्ताहिक शिविर का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

बीके वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय,बवानी खेड़ा के प्रांगण में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना के साप्ताहिक शिविर के अंतिम दिन पर बड़े हषारे्ल्लास का वातावरण रहा। इस अवसर पर प्रातः कालीन सत्र की शुरुआत ध्यान, योग व लक्ष्य गीत के साथ की गई। इस अवसर पर योगाचार्य द्वारा विद्यार्थियों को योगाभ्यास करवाया गया। सबसे पहले विद्यार्थियों को वार्म.अप करने के लिए योगिंग, जॉगिंग का अभ्यास करवाया गया। खड़े होकर किए जाने वाले आसनों में ताड़ासन, वृक्षासन, कटीचक्त्रासन, घुटना संचालन आसन, बैठकर किए जाने वाले आसनों में गोमुखासन, उष्टासन, उत्तानमंडूकासन आदि का अभ्यास करवाया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी अमित कुमार ने स्वयंसेवकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरुक करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को सबसे पहले अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देना चाहिए। धन गया तो कुछ नहीं गया, स्वास्थ्य गया तो सब कुछ गया पंक्ति का उन्होंने बारीकी से अर्थ समझाया क्योंकि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। विद्यार्थियों को पौष्टिक आहार पर भी ध्यान देना चाहिए।

कर्मचारियों को ईमानदार और निष्ठावान बनाने का प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

राजकीय मॉडल संस्कृति वमा विद्यालय व पीएमश्री राजकीय कन्या वमा विद्यालय में हरियाणा कर्मयोगी कार्यक्रम के तहत कर्मचारियों का कर्मयोगी प्रशिक्षण कार्यक्रम चल रहा हैं। कार्यक्रम के तहत कर्मचारियों को ईमानदार और निष्ठावान बनाने का प्रशिक्षण दिया। डीईओ नरेश मेहता एवं डाइट प्राचार्य ज्ञानेंद्र नेहरा ने प्रशिक्षण का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि सरकार की कर्मयोगी मिशन बेहतरीन पहल है, इससे कर्मचारियों की कार्यप्रणाली में सुधार होगा। कर्मचारी जागृत कर्त्तव्य के साथ कार्य करके आंतरिक और बाह्य फल प्राप्त कर सकेंगे। कर्मचारी सेवाभाव से कार्य करेंगे और समाज के लोगों से आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। एपीसी विवेक अदलखा ने बताया कि ट्रेनिंग से कर्मचारी प्रेयस के लिए नहीं श्रेय के लिए कार्य करेंगे, जिससे उनका आत्मबल बढ़ेगा। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले अध्यापक कमल शर्मा और प्रवीण आर्य ने बताया कि आज का प्रशिक्षण बेहतर था।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो वह निम्न टेलीफोन नम्बरों पर कार्यालय समय पर सूचित करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 01664-252933, 8295157800, 8814999151, 9253681005

राजकीय माध्यमिक विद्यालय दमकोरा सौंदर्यकरण में जिले में रहा प्रथम सरकार ने स्कूल को एक लाख रुपये की राशि भेंट की

भिवानी। मेहनत इतनी खामोशी से करो कि सफलता शोर मचा दे इसी कहावत को चरितार्थ किया है लोहारू खंड से राजकीय माध्यमिक विद्यालय दमकोरा के मुख्याध्यापक नरेश कुमार और स्टाफ सदस्यों ने। नरेश कुमार ने 1 सितंबर 2022 को राजकीय माध्यमिक स्कूल दमकोरा में मुख्याध्यापक के पद पर कार्यग्रहण किया। मात्र 1 वर्ष 3 महिने के थोड़े से समय के दौरान ही इन्होंने अभी तक अपने कुशल नेतृत्व के द्वारा टीम दमकोरा बनाकर छात्र हितए स्कूल हित एवं समाज हित के अनेकों कार्यों को मंजिल तक पहुंचाया। इसी क्रम में सभी स्टाफ सदस्य, एसएमसी सदस्य, ग्राम पंचायत व मौजूद ग्रामीणों को साथ लेकर विद्यालय का सवांगीण विकास के लिए एक ब्लूप्रिंट तैयार किया और उस दिशा में आगे बढ़े। इन्ही सार्थक प्रयासों का परिणाम है कि पहले खंड स्तरीय मुख्यमंत्री स्कूल सौंदर्यकरण प्रोत्साहन पुरस्कार योजना में प्रथम स्थान हासिल किया और शिक्षा विभाग सरकार से 50 हजार रूपये की ईनाम राशी प्राप्त की। इन्ही प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए अब जिला स्तरीय मुख्यमंत्री स्कूल सौंदर्यकरण प्रोत्साहन पुरस्कार योजना में भी प्रथम स्थान प्राप्त किया और पुनरू शिक्षा विभाग हरियाणा सरकार से 1 लाख रूपये की राशि प्राप्त की है।

भिवानी। गांव दमकोरा स्कूल का दृश्य।

जरूरतमंदों को मिलेंगे सहायक उपकरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

- जिला रेडक्रॉस सोसायटी आयोजित करवाएगी कार्यक्रम

तोशाम की अनाज मंडी में 7 जनवरी रविवार को सुबह 9 बजे जिला रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा कार्यक्त्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें कृषि एवम पशुपालन मंत्री जेपी दलाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे तथा जरूरतमंदों को सहायक उपकरण एवम कृत्रिम अंग वितरित करेंगे।

उपायुक्त एवं जिला रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष नरेश नरवाल ने बताया कि वरिष्ठ नागरिकों को सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग प्रदान करने के लिए गत दिनों जांच शिविर आयोजित किए गए थे। इन जांच शिविरों में 389 वरिष्ठ नागरिकों का 2610 भिन्न.भिन्न सहायक उपकरणों के लिए पंजीकरण किया गया था। इन वरिष्ठ नागरिकों को 7 जनवरी को अनाज मंडी, तोशाम में सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि भारत सरकार की व्योश्री योजना के अंतर्गत गत महिनों में वरिष्ठ नागरिकों के लिए जाँच शिविरों में पंजीकरण करवाया था। अब उन सभी को 7 जनवरी 2024 को अनाज मंडी, तोशाम में सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग वितरण किए जाएंगे। वरिष्ठ नागरिकों को सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग जैसे व्हील चेयर, कमोड चेयर, जूते, चश्मे, कृत्रिम दांत, कान की मशीनें, चलने की छड़ी इत्यादि निःशुल्क प्रदान की जाएगी। सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग वितरण समारोह में केवल बवानीखेड़ा, तोशाम एवं भिवानी में पंजीकरण करवाएं।

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5X8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

चनाना में 22 लाख की राशि से होगा गलियों का निर्माण

- दो लाख की राशि की स्ट्रीट लाइटें, एक पानी का टैंकर व जिम का सामान दिए जाने की घोषणा की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

स्ट्रीट लाइटों पर खर्च होंगे दो लाख रुपये

जिला परिषद चेयरपर्सन अनिता मलिक ने गांव चनाना में 22 लाख रुपये की राशि गली के निर्माण, दो लाख की राशि की स्ट्रीट लाइट, एक पानी का टैंकर व जिम का सामान दिए जाने की घोषणा की। इस मौके पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई स्टालों पर ग्रामीणों को केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ.साथ आमजन की परिवार पहचान.पत्र, बुढापा पेंशन, राशन कार्ड आदि समस्याओं का भी निराकरण किया गया। जिला परिषद चेयरपर्सन अनिता मालिक ने कहा कि केंद्र व प्रदेश की सरकार समाज के गरीब, महिला, किसान व युवा उत्थान के लिए कृतसंकल्प है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा शनिवार को क्षेत्र के गांव चनाना व देवावास गांव में पहुंची। गांव में पहुंचने पर यात्रा का जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प भी दिलवाया गया।

उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान सभी पात्र व्यक्ति केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा क्त्रियान्वित की जा रही योजनाओं का लाभ उठाएं। अब तक योजना के लाभ से वंचित पात्र व्यक्तियों को मौके पर विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान लाभ दिया जा रहा है। सरकार द्वारा लाल डोरे से अन्दर की जमीन का मालिकाना हक देने के लिए स्वामित्व योजना क्त्रियान्वित की जा रही है। सरकार द्वारा गरीब पात्र व्यक्तियों को 5 लाख रुपये वार्षिक स्वास्थ्य बीमा की सुविधा प्रदान की जा रही है। उन्होंने ग्रामीणों का आह्वान किया कि वे विकसित भारत संकल्प यात्रा के कार्यक्रमों को सफल बनाकर घर द्वार पर योजनाओं का लाभ प्रदान करने के लिए लगाये गए स्टॉलों पर आकर योजनाओं का पूरा लाभ उठाएं।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार, 7 जनवरी 2024

एक-दूसरे से सहज संपर्क के लिए ईजाद किया गया मोबाइल फोन, अब हमारी जीवनशैली का जरूरी हिस्सा बन चुका है। इसमें मौजूद तकनीकों ने बहुत सहूलियतें दी हैं तो यह हमारे बारे में दूसरों को बहुत-सी जानकारियां भी दे सकता है। हमारे व्यवहार, मानसिकता और सामाजिक छवि के बारे में भी हमारा मोबाइल फोन बहुत कुछ बताता है।

हमारे बारे में बहुत कुछ बताता है

मोबाइल फोन

आपसे वह बात नहीं करना चाहता। पहले कई तरह के दूसरे बहानों की गुंजाइश थी, लेकिन अब नहीं रह गई है। इसलिए आज की तारीख में किसी का फोन उठाना या ना उठाना, आपके उस व्यक्ति के साथ रिश्ते अच्छे होने या ना होने का आधार माना जाता है।

{ कवर स्टोरी / किरण भास्कर }

इस समय दुनिया में कुल जितनी आबादी है, उससे करीब डेढ़ गुना ज्यादा मोबाइल फोन मौजूद हैं। एक अनुमान के मुताबिक धरती के हर कोने में, हर समय करीब चार अरब से ज्यादा मोबाइल फोन सक्रिय रहते हैं। मोबाइल फोन अब महज एक-दूसरे के साथ संपर्क का जरिया भर नहीं है बल्कि यह हर साल तीन ट्रिलियन से ज्यादा के ऑनलाइन और मोबाइल कारोबार का बुनियादी जरिया भी बन चुका है। दुनिया में हर दिन इसी मोबाइल फोन की बदौलत जहां करोड़ों दिल प्यार की डोर में बंधते हैं, वहीं लाखों लाख दिल हर दिन इसी मोबाइल के जरिए टूट भी जाते हैं। आज शासन-प्रशासन की ज्यादातर गतिविधियां भी मोबाइल फोन से ही संपन्न होती हैं। लब्बोलुआब यह कि आज मोबाइल फोन सिर्फ सूचना पाने या देने का जरिया ना होकर, यह हमारी आधुनिक जीवनशैली का जरूरी हिस्सा बन चुका है।

रिलेशन अप्रोच करता है साबित

जब तक मोबाइल फोन नहीं थे, दुनिया में सिर्फ लैंडलाइन फोन ही थे, तब तक किसी से फोन पर बात करने या ना करने की हमारे पास भरपूर छूट हुआ करती थी। मान लीजिए किसी ऐसे व्यक्ति का फोन हमारे लैंडलाइन पर आया, जिससे हम बात नहीं करना चाहते, तो किसी और से कहला दिया जाता था कि आपको जिनसे बात करनी है, फिलहाल वो यहां मौजूद नहीं हैं। लेकिन अब इस तरह की छूट लेना संभव नहीं रहा, क्योंकि भले आपका मोबाइल फोन उठाकर कोई अन्य सदस्य कॉल करने वाले से यह कह दे कि आपको जिनसे बात करनी है, वो यहां मौजूद नहीं हैं, सिर्फ उनका मोबाइल फोन यहां छूट गया है। लेकिन अब आपकी ऐसी बातों पर कोई आसानी से यकीन नहीं करेगा। भले यह सौ फीसदी सच हो, क्योंकि मोबाइल फोन का मतलब होता है, ऐसा फोन जो सिर्फ आपके पास रहता है और जिसे आप ही उठाने या ना उठाने का निर्णय करते हैं। इसलिए आज के दौर में किसी का फोन अगर कोई नहीं उठाता, तो इसका साफ संदेश होता है कि

कॉलर की पहचान हुई आसान

आज की तारीख में मोबाइल फोन इसलिए एक सेंसिटिव, एटिकेट और रिलेशन का मानक बन गया है, क्योंकि आज तकनीक ने हमसे वो तमाम बहाने छीन लिए हैं, जिनकी बदौलत पहले हम यह भ्रम पाल सकते थे या किसी और से पलवा सकते थे कि वास्तव में हमें आपकी सही-सही पहचान का पता नहीं चलता था। लेकिन आज ऐसा नहीं है। करीब-करीब हर व्यक्ति के फोन में यह सुविधा है कि जब कोई फोन आ रहा हो

तो साफ पता चल सके कि फोन कौन व्यक्ति कर रहा है। जिन्हें अभी यह सुविधा उपलब्ध नहीं है या जो इसका उपयोग नहीं करते, उन्हें भी कम से कम इतना तो पता चल ही जाता है कि फोन कौन कर रहा है? अगर उसका फोन नंबर आपके मोबाइल में मौजूद है या उससे नियमित बात होती है तो।

लोकेशन भी बताता है फोन

अब तो कई ऐसी नई तकनीकें भी आ चुकी हैं, जिनके कारण लोगों का यह बहाना भी छिन गया है, जिसमें वे होते कहीं और थे, जबकि बताते कहीं और थे। इससे उन्हें बात ना करने की छूट मिल जाती थी। आज बहुत मामूली भुगतान पर ऐसे तकनीकी एप मौजूद हैं, जो आपको बताते हैं कि फोन करने वाला व्यक्ति कहां से फोन कर रहा है? यानी कॉलर की प्रेजेंट लोकेशन क्या है? इसलिए आप दिल्ली में बैठे हुए किसी व्यक्ति से यह नहीं कह सकते कि मैं मुंबई में हूं। बेहतर यही है कि मोबाइल से बात करते समय अपनी लोकेशन के बारे में सच ना छुपाएं।

यहां जिक्र की गई क्वालिटीज के अलावा भी फोन की तकनीक ने हमारी जिंदगी के बहुत सारी परतों को सबके सामने खोलकर रख दिया है। कुल मिलाकर कहने की बात यह है कि आज रोजमर्रा की जिंदगी में फोन हमारी जीवनशैली और रोजगार से लेकर भावनाओं के कारोबार तक का जरिया बन चुका है, इसलिए फोन का बहुत सटीक और जितना हो सके ईमानदार उपयोग करें, वरना आपकी सालों की बनी-बनाई इमेज को मोबाइल फोन पलक झपकने की देरी में डैमेज कर सकता है। *

फॉलो करें मोबाइल एटिकेट्स

मोबाइल फोन के पर्सनल यूज में सावधानियों के साथ शिष्टता का बर्ताव करते हुए कुछ प्रैक्टिकल टिप्स को भी याद रखना चाहिए।

- जब भी किसी क्लोज फ्रेंड या रिलेटिव से पब्लिक प्लेस या वर्कप्लेस पर बात करें तो उसके फोन को स्पीकर पर ना डालें। इससे फोन करने वाले को इंसल्ट महसूस होती है। उसे लगता है उसकी बातें दूसरे ऐसे लोग भी सुन रहे हैं, जिनको नहीं सुनना चाहिए, फिर चाहे भले ऐसा ना हो रहा हो।
- फोन से बात करते हुए कभी भी अपनी आवाज बहुत तेज ना करें। कोशिश करें कि किसी सार्वजनिक जगह पर फोन से तभी बात करें, जब आपके आस-पास 4-5 फीट तक कोई ना खड़ा हो।
- वो दिन बीत गए जब लोग धड़ल्ले से दूसरों का लैंडलाइन फोन इस्तेमाल किया करते थे। मोबाइल के दौर में दूसरे के फोन के इस्तेमाल की कोशिश ना करें। यदि मजबूरी में ऐसा करना हो तो बिना परमिशन ऐसा ना करें।
- अगर आप किसी मीटिंग या पब्लिक प्लेस पर हैं और बात नहीं कर सकते तो कॉल करने वाले को मैसेज से सूचना जरूर दे दें कि बाद में आप कॉल करेंगे। *

डिजिटल संवाद का पसंदीदा सिंबल इमोजी

व्हाट्सअप, मैसेंजर, एसएमएस, ई-मेल, फेसबुक या ट्विटर, सोशल मीडिया या डिजिटल कम्युनिकेशन का कोई भी ऐसा प्लेटफॉर्म नहीं है, जहां इन दिनों इमोजी का जमकर इस्तेमाल ना हो रहा हो। सच यही है कि आज की डिजिटल होती लाइफस्टाइल में इमोजी पूरी तरह फिट हो गई है।

{ टेक्नोलाइफ / लोकमित्र गौतम }

आज के दौर में पूरी दुनिया में लोग एक-दूसरे को जो डिजिटल मैसेज भेजते हैं, उनमें शायद ही किसी भी भाषा का कोई शब्द इतना ज्यादा इस्तेमाल होता हो, जितनी ज्यादा इमोजी का इस्तेमाल होता है। जी हां, वही छोटी-छोटी आकृतियां जिन्हें स्माइली भी कहा जाता है। दुनिया भर में हर दिन लोग आपस में डिजिटल संवाद करते हुए 6 बिलियन से ज्यादा बार इमोजियों का इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसा होना स्वाभाविक है, क्योंकि इमोजीज, डिजिटल संवाद को नए अर्थ ही नहीं, नए आयाम भी देती है। दरअसल, जब हम मन में उमड़-घुमड़ रहे असीमित भावों को शब्दों में व्यक्त कर पाने में असमर्थता महसूस करते हैं, तो ये छोटी-छोटी डिजिटल सिंबल्स हमारे बहुत काम आती हैं।

कहां से आई इमोजी: इमोजी, जापानी भाषा का शब्द है, जिसका मतलब होता है, चित्राक्षर। इ का मतलब होता है- चित्र और मोजी का मतलब अक्षर या वर्ण। इसे एक छोटी डिजिटल इमेज या आइकन भी कहा जा सकता है। इसका विकास साल 1997 में एक जापानी कलाकार शिगेताका कूरिता ने किया था। शिगेताका पेशे से इंजीनियर नहीं, अर्थशास्त्र से स्नातक थे और टेलीकॉम कंपनी डोकोमो में काम करते थे। उन्होंने ही पहली बार 176 इमोजी बनाए थे, जो दुनिया में इमोजीज का पहला सेट माना जाता है। इसमें 11X12 ग्रिड पर फिक्सेलेटिड रंगीन कार्प, सिलाई जैसे डिजाइन प्रस्तुत किए गए थे। इसके लिए सड़क संकेतों और चीनी अक्षरों से बनने वाले संकेतों का भी सहारा लिया गया था। इसका उद्देश्य उस जमाने में सेलफोन पर एक सीमित टेक्स्ट को असीमित आयाम देना था, क्योंकि उन दिनों 250 अक्षरों (कैरेक्टर्स) में ही अपना संदेश लिखने की बाध्यता होती थी। इस सीमा में रह कर अपने सीमित संदेश को कैसे असीमित आकार दें, इमोजी के संकेताक्षरों की खोज इसी उद्देश्य के लिए हुई थी।

यंगस्टर्स ने बढ़ाई पॉपुलैरिटी: वैसे कम्युनिकेशन में इमोजी का अस्तित्व पिछली सदी में ही अपनी जगह बना चुका था, लेकिन इसकी लोकप्रियता में उफान मौजूदा सदी के साल 2011 में तब आया, जब इसने धीरे-धीरे युवाओं को आपसी संवाद की भाषा में अपने इस्तेमाल के लिए आकर्षित किया। चार साल बाद सन् 2015 में 'ऑक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी' ने इमोजी शब्द को अपने यहां जगह दी, जिस कारण इसे एक विश्वव्यापी परिभाषा मिली। ऑक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी में इमोजी के लिए लिखा गया, 'फेस विद टीयर्स ऑफ जॉय।' इमोजी के बारे में अगर कहा जाए कि यह डिजिटल जनरेशन की सबसे पसंदीदा भाषा है, और पूरी दुनिया में इसकी एक जैसी वर्तनी और एक जैसी अभिव्यक्ति है, तो इसमें जरा भी अतिश्योक्ति नहीं होगी। यही वजह है कि बिना किसी प्रचार या प्रयास के भी आज हर दिन पूरी दुनिया में 6 बिलियन से ज्यादा इमोजीज का लोग आपसी संवाद में इस्तेमाल करते हैं। यह दुनिया की पहली ऐसी डिजिटल भाषा है, जो इस्तेमाल तो इमेज के रूप में होती है, लेकिन दिमाग में उसके भाव शब्दों के रूप में अर्थ पाते हैं। जून 2018 तक यूनिकोड 1,823 इमोजी को पहचानता था, जिनकी संख्या आज की तारीख में (यूनिकोड वर्जन 15.0 में) बढ़कर 3,664 हो चुकी है। यह चित्रमय भाषा दुनिया को, विशेषकर युवाओं को इस कदर आकर्षित कर रही है कि पिछले तीन सालों में इसका 775 प्रतिशत इस्तेमाल बढ़ा है। एक अनुमान के मुताबिक दुनिया भर में 92 प्रतिशत से ज्यादा मिलेनियल्स यानी, जिनका जन्म 21वीं में हुआ है, इसका प्रयोग करते हैं।

हर एज के लोग करते हैं यूज: 'एप बाय' नामक एक एप ने अपने सर्वे के जरिए यह निष्कर्ष निकाला है कि इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाले 78 फीसदी से ज्यादा लोग अपने टेक्स्ट मैसेजों में इमोजी का इस्तेमाल करते हैं। सबसे ज्यादा अपने लिखित संदेशों में इमोजी का इस्तेमाल करने वाले उपभोक्ताओं की उम्र 44 साल से कम होती है। जबकि 45 साल और उसके अधिक उम्र के लोग इनके इस्तेमाल को लेकर थोड़े उदासीन होते हैं, फिर भी 24 फीसदी इस उम्र के लोग भी इनका इस्तेमाल खूब करते हैं। *

{ गजल / डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग' }

झूठ के बाजार में

झूठ के बाजार में शाइस्तगी चलती नहीं
चापलूसी होती है पर मुफलिसी चलती नहीं
पेट की खातिर जलाना पड़ता खुद को रात-दिन
इश्क करने से किसी की जिंदगी चलती नहीं
वक्त आ जाए बुरा तो आगे बढ़कर जीस्त में
जूझना पड़ता है हरदम बुजदिली चलती नहीं
लोग मिलते हैं जहां में खुद-परस्ती के लिए
आजकल राहे वफा में दोस्ती चलती नहीं
दूर जाना पड़ता है सबको अकेले एक दिन
आसमां चलता नहीं ये सरजमीं चलती नहीं
शौक से जलता है परवाना शमा के सामने
बेखुदी के हाल में आवारगी चलती नहीं
रंग वो ही पालते हैं, जिनके मन में खोट है
हो खुलूसे दिल अगर तो दुश्मनी चलती नहीं

भाव श्रद्धा का न हो तो बंदगी किस काम की
आस्था के नाम पर दीवानगी चलती नहीं
सहना पड़ता है चमन का दर्द गुल के वास्ते
सिर्फ लफ्फाजी से 'नवरंग' शायरी चलती नहीं

{ पुस्तक चर्चा / सरस्वती रमेश }

स्त्री जीवन की कहानियां

बेटी को भले ही पराया धन माना जाता है लेकिन ब्याह के बाद भी एक बेटी अपने बाबुल को कभी पराया नहीं समझती। ताउम्र वह अपने मायके की खुशहाली के जतन में लगी रहती है। किसी कारणवश ब्याही बेटी को अगर मायके लौटना पड़े तो वह अपने ही घर मे बोझ बन जाती है। जलालत और रोज-रोज का क्लेश उसके जीवन का अंग बन जाता है। कुछ ऐसी ही बेटियों की संवेदनाओं और संघर्षों को बयां करती कहानियों का संग्रह है 'बाबुल और अन्य कहानियां।'

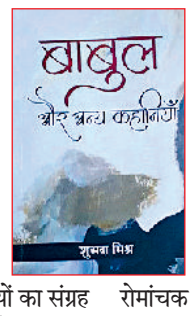

इस संग्रह में कुल दस कहानियां हैं। अधिकतर कहानियों में नायिकाएं बेटियां हैं। ये ऐसी बेटियां हैं, जो ससुराल से मायके में लौटते ही अपनों की आंखों की किरकिरी बन जाती हैं, फिर भी अपनी जिम्मेदारियों से पीछे नहीं हटती हैं। 'तारनहार', 'बाबुल', 'सजा' ऐसी ही बेटियों की कहानियां हैं। 'सजा' कहानी में नायिका को मिले कष्टों के साथ रिश्तों की बेमानी होने की पीड़ा को भी महसूस कर सकते हैं।

'छलावा' चालीस पार की एक स्त्री के प्रेम में पड़ने की कहानी है। लेखिका ने बड़ी बारीकी से नायिका के एहसासों को उकेरा है। 'कीमत' एक भुतहे घर की कीमत लगने की रोमांचक कहानी है। कहानियों की भाषा सहज-सरल है। यही वजह है कि पाठक इनसे सहज ही जुड़ जाता है। असल में ये ऐसी कहानियां हैं, जिनके कथानक हम अपने घर, परिवार, पड़ोस या रिश्तेदारी में देख सकते हैं। *

पुस्तक: बाबुल और अन्य कहानियां (कहानी संग्रह), **लेखिका:** शुभदा मिश्र, **मूल्य:** 200 रुपए, **प्रकाशक:** वैभव प्रकाशन, रायपुर

{ लघुकथाएं }

अनमोल अमानत

तन्मय बदहवास-सा भागता हुआ रद्दी का सामान लेने वाले मंगतलाल की दुकान पर आया। वह हांफ रहा था। सांसों को संभालते हुए तन्मय बोला, 'मेरे घर से अभी अभी रद्दी लेकर तुम्हीं आए थे ना चाचा। उसमें एक साड़ी थी, बहुत पुरानी। पत्नी ने गलती से रद्दी के सामान के साथ तुम्हें बेच दी है चाचा। उससे बहुत बड़ी भूल हो गई। मैं घर में होता तो बिना जांचे तुम्हें रद्दी का सामान नहीं बेचता। असल में मैं बाजार चला गया था कुछ सामान लाने।'

तन्मय की आवाज में अपनी अमानत को लेकर गहरी चिंता थी।

मंगतलाल किसी की आई हुई रद्दी तौल रहा था। रद्दी तराजू पर चढ़ाते हुए बोला, 'बहुत कीमती साड़ी थी क्या बेटा? उसमें सोना-चांदी तो नहीं जड़ा था?'

'नहीं सोना-चांदी तो नहीं जड़ा था। तांत की सफेद साड़ी थी। साइड में ब्लू रंग का बॉर्डर था।' तन्मय ने बताया। मंगतलाल कुछ नहीं बोला।

तन्मय ने आतुरता से पूछा, 'हमारे घर से जो रद्दी लाए थे, कहां रखी है आपने चाचा?'

मंगतलाल ने इशारे से बताया, 'वो देखो कोने में रखी हुई है, सफेद वाले बोरे में।' तन्मय तेजी से बोरे के पास गया, उसे खोलकर रद्दी खंगालने लगा। बोरे में नीचे सफेद साड़ी झांक रही थी। तन्मय की खुशी का ठिकाना ना रहा। वह खुशी से बोला, 'मंगत चाचा, मिल गई साड़ी!' मंगतलाल ने साड़ी को हाथ में लेकर देखा। सफेद रंग की साड़ी जगह-जगह से फटी हुई थी। मन ही मन उसने सोचा इसके तो कोई पांच रुपए भी ना देता। मंगतलाल मजाक में बोला, 'बेटा, पांच सौ रुपए लगेंगे इस साड़ी के।'

तन्मय ने झट से बटुए से पांच सौ रुपए का नोट निकाल कर मंगतलाल के हाथ पर रख दिया और बोला, 'चाचा, आपने बहुत कम पैसे इस साड़ी के मांगे हैं। अगर आपने पांच हजार रुपए भी मांगे होते तो मैं खुशी-खुशी दे देता। यह मेरी मां की आखिरी निशानी है।' तन्मय साड़ी लेकर आगे बढ़ने को हुआ तो मंगतलाल ने टोका, 'सुनो बेटा, मैंने अभी बहू को रद्दी के पैसे दिए नहीं हैं। सोचा था दोपहर जाकर दे आऊंगा। यह पांच सौ रुपए का नोट वापस रख लो। बड़ी अजीब बात है, कोई इतनी मामूली चीज के पांच सौ रुपए देने को तैयार है!'

'आपके लिए यह मामूली होगी मंगत चाचा। मेरे लिए तो यह अनमोल अमानत है। मेरी मां की आखिरी निशानी है यह साड़ी।' यह कहते हुए तन्मय की आंखें छलक आई थीं। *

-महेश कुमार केशरी

स्नेह

अमन बहुत दिनों से नोटिस कर रहा था कि उसके घर के पास काम करने वाला एक बुजुर्ग उसे घूरता रहता था। जब भी अमन वहां से गुजरता, वह बुजुर्ग उसे ध्यान से देखता रहता। कभी-कभी तो वह अमन को देखकर मुस्कुरा भी देता। अमन को लगता कि कहीं यह बुजुर्ग कोई चोर-उचक्का तो नहीं है, जो उस पर नजर बनाए हुए है। अवसर पाकर उसको लूट लेगा। लेकिन उसकी उम्र को देखकर नहीं लगता था कि वह ऐसा कुछ करेगा। फिर भी अमन को अजीब-सा डर सताए रहता था।

एक दिन अमन ऑफिस के लिए निकल रहा था। वह बुजुर्ग उसे

फिर दिखाई दे गया। आज भी वह अमन को एकटक देखे जा रहा था। उसने अमन को देखकर हल्की मुस्कान भी छोड़ी। अमन से रहा नहीं गया। वह उस बुजुर्ग के पास गया और कड़े शब्दों में पूछा, 'क्या आप मुझे जानते हैं? मुझे आप यूं घूरते क्यों हैं? आप दिमागी रूप से ठीक हैं ना?'

अमन की बातों को सुनकर बुजुर्ग थोड़ा हड़बड़ा गया। उसे जवाब देते नहीं बन पा रहा था। लेकिन वह बड़ी हिम्मत करके आहिस्ता से बोला, 'बेटा, मैं तो तुम्हें देखकर अपने बेटे को याद कर लेता हूं। वह अब तुम्हारी तरह जवान हो गया होगा। वह बारह साल पहले मुंबई कमाई करने गया था, तब से घर नहीं लौटा। पता नहीं कहां गायब हो गया? मैं यहां अपने गांव से बहुत दूर आकर मजदूरी कर अपना और अपनी पत्नी का किसी तरह पेट पाल रहा हूं। सात साल से घर नहीं गया। तुम्हें देखता हूं तो उसकी याद आ जाती है। तुम्हें देखकर मन को बहला लेता हूं कि वह भी तुम्हारी ही तरह दिखता होगा।' बुजुर्ग की बातें सुनकर अमन की आंखें भीग गईं। उसे अपनी सोच पर पछतावा हुआ। बुजुर्ग की आत्मीयता ने उसे अंदर तक स्नेह से भर दिया। *

-ललित शौर्य

पहचान

यह जनवरी की एक मखमली दोपहर थी। माहौल में शोखियां उरूज पर थीं। प्रदेश की कला अकादमी आज चित्रकार उमा को एक विशेष पुरस्कार से सम्मानित कर रही थी। उमा की सहेलियां तो उससे भी पहले सभा स्थल पर आ गई थीं। आती भी कैसे नहीं, उनकी सहेली उमा के साथ उन्हें भी तो उस समारोह की शोभा बनना था।

जब उमा की वह कलाकृति लगाई गई, जिसके लिए पुरस्कार मिलना था तो उसको देखकर सखियां हतप्रभ रह गईं। सखियों ने एक ही बार में पहचान लिया था कि कलाकृति में जो उदास-हताश बच्चे दिख रहे हैं, वह उमा की पुरानी काम वाली बाई के हैं। उमा ने अपनी कृति में गरीब बच्चों की

पीड़ा को उकेरा था, जिसे देखकर किसी का भी हृदय द्रवित हो सकता था।

तभी समूचा हाल ताली की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। उमा को मंच पर बुलाकर सम्मानित किया गया। उसके लिए बधाई और शुभकामनाओं की बरसात होने लगी। लौटते समय एक सहेली ने उमा से कहा, 'लेकिन उमा ये बच्चे तो अब बहुत ही अच्छे एथलीट हैं, स्कॉलरशिप भी पा रहे हैं। इस तरह उनकी अनुमति के बगैर उनका चित्र बनाकर तुमने गलत तो नहीं किया?'

'अरे, जाने दो यार, मेरे टुकड़ों पर पलते थे वे बच्चे। आज वो कौन-सा खुद को पहचान लेंगे।' कहकर उमा ने अपनी अवार्ड ट्रॉफी को गौरव-भाव से चूम लिया। *

-हरीश चंद्र पांडे

लेखक ध्यान दें...

लेखक रविवार भारती में प्रकाशनार्थ अपनी रचनाएं / लेख कृपया ई-मेल आईडी **haribhoomifeaturedep@gmail.com** पर भेजें।

हाल में शुरू हुए इस नए वर्ष में ही नहीं, आने वाले पूरे जीवन में आप खुशहाल रह सकते हैं, स्वस्थ-दीर्घायु भी पा सकते हैं। इसके लिए आपको अपने जीवन को जीने के तरीके में कुछ बदलाव करने होंगे। इस दिशा में प्रसिद्ध जापानी जीवनशैली ईकीगाई बहुत सहायक सिद्ध हो सकती है।

दीर्घायु-खुशहाल जीवन का जापानी तरीका ईकीगाई

{ जीवनशैली / शिखर चंद जैन }

इस दुनिया में हम सभी स्वस्थ दीर्घायु और खुशहाल जीवन चाहते हैं। वास्तव में ये दोनों ही एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। सेहत विज्ञानियों के अनुसार, जो लोग जिंदादिल और खुशहाल होते हैं, वे दीर्घायु भी होते हैं। लेकिन इनको हासिल करने के लिए आपकी मददगार हो सकती है जापानी जीवनशैली का अहम भाग, ईकीगाई। इस जापानी शब्द का मतलब है-मकसद। जी हां, जापानी जीवनशैली के अनुसार, अगर आपने अपने जीने का उद्देश्य या मकसद ढूंढ़ लिया, तो आप दूसरे लोगों की तुलना में दीर्घायु और खुशहाल होंगे। लंबी आयु के मामले में जापान के लोग दुनिया भर में जाने जाते हैं और वे इस बात पर पूरी गंभीरता से अमल भी करते हैं। आप भी इस वर्ष से अपने जीवन में ईकीगाई को शामिल कर सकते हैं।

हो चुके हैं कई अध्ययन

हजारों जापानी वयस्कों पर किए गए अध्ययन से पता चला है कि जिन लोगों ने अपने जीने का मकसद तय कर लिया है या जानते हैं, उनकी जिंदगी में तनाव कम होता है। इसी वजह से उनकी आयु लंबी होती है। ये सारे लोग जापान के ओकिनावा द्वीप के रहने वाले थे। अमेरिका में हुए एक अन्य अध्ययन में भी पाया गया कि जिन लोगों ने अपनी जीने का मकसद जान और समझ लिया, उनमें बिना लक्ष्य के जीने वालों की तुलना में मृत्यु का जोखिम 15 फीसदी तक कम होता है। माउंट सिनी सेंट ल्यूक एवं माउंट सिनाई रूजवेल्ट के शोधकर्ताओं ने अपने गहन अध्ययन के बाद यह निष्कर्ष निकाला है कि जीने का मकसद स्पष्ट रूप से समझने वालों की मृत्यु में अन्य सभी कारणों से 23 फीसदी और हार्ट डिजीज या स्ट्रोक से मृत्यु की 19 फीसदी संभावना कम हो जाती है। अध्ययन के मुखिया रैंडी कोहेन कहते हैं, 'जीने का उद्देश्य जानने और मृत्यु से सुरक्षा पाने के बीच बड़ा गहरा संबंध है। कनाडा की कार्लेटन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने दीर्घ आयु पर अध्ययन करते हुए पाया कि जिन लोगों ने अपने जीवन की दिशा तय कर रखी है और लक्ष्य निर्धारित कर रखे हैं, वे लंबी आयु पाते हैं। भले ही यह लक्ष्य अधेड़ अवस्था में ही क्यों न तय किया गया हो। 'साइकोलॉजिकल साइंस' में प्रकाशित इस अध्ययन के मुखिया पैट्रिक हिल हैं। अमेरिका स्थित शिकागो की रश यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर द्वारा किए गए एक अन्य अध्ययन के नतीजे में जीवन के उद्देश्य निर्धारण से ओल्ड एज में होन वाली अल्जाइमर्स डिजीज से मस्तिष्क की सुरक्षा की दिशा में फायदेमंद बताया गया है।

मकसद निर्धारण का फायदा

प्लानिंग करने और आने वाले समय में हासिल करने के लिए तय किए गए लक्ष्य को हासिल करने की जद्दोजहद आपके दिमाग को व्यस्त रखती हैं। साथ ही आपके तन को एक्टिव और फिट रखती है। इससे आप चिंताओं में उलझकर मानसिक रूप से परेशान होने या आलस्य के वशीभूत होने से बच जाते हैं। ये दोनों ही बातें, तन-मन की सेहत के लिए नुकसानदायक हैं। जब हम सुबह किसी काम को करने के उत्साह और लगन से उठते हैं तो हमारा मन प्रसन्न रहता है और लक्ष्य हासिल करने के लिए हम जल्दी-जल्दी एक के बाद एक काम निपटाते चले जाते हैं।

ऐसे तय करें लक्ष्य

अपनी जिंदगी का मकसद तय करने के लिए आपको खुद से कुछ सवाल पूछने होंगे और ईमानदारी से उनका जवाब देना होगा। जैसे-

मुझे क्या करना अच्छा लगता है : यहां आपको अपना सबसे खास शौक जानना होगा। ये शौक एक या उससे अधिक भी हो सकते हैं। इन्हें आप कभी ना छोड़ें, बशर्ते ये अच्छे, सकारात्मक और रचनात्मक हों। हर अच्छा शौक आपको कोई ना कोई फायदा जरूर देता है, चाहे वो तन को दुरुस्त रखता हो या मन को सुकून देता है। आप चाहे जितने व्यस्त रहें लेकिन इन्हें पूरा करने के लिए डेली या वीकली अपना कुछ वक्त जरूर दें।

मैं क्या अच्छा कर सकता हूं: यह आपके बिजनेस या पेशे से संबंधित होता है। आप किस काम को अच्छी तरह कर सकते हैं और किस काम को करने में आपकी अधिक दिलचस्पी है, यह आपको जरूर मालूम होना चाहिए। अगर आप अपनी क्षमता, दिलचस्पी से संबंधित काम करेंगे तो आपको हर दिन कुछ ना कुछ जरूर हासिल होगा, जिससे आपका उत्साह बना रहेगा, जिससे आपकी सफलता के चांसेज भी बढ़ेंगे।

लोग मुझसे क्या चाहते हैं: इस सवाल का जवाब देते समय उन लोगों के बारे में सोचें, जो आपके लिए वास्तव में महत्व रखते हैं। इनमें दो तरह के लोग होंगे- पहले, वे जो आपको शिद्दत से चाहते हैं। आप हमेशा उनका साथ और खुशी चाहते हैं। दूसरे तरह के लोग, जिनसे आपको फाइनेंशियल फायदा होता है। इससे आपको अपने दैनिक कामों और क्रियाकलापों को तय करने की दिशा भी मिलेगी, उन्हें करने में मजा भी आएगा। ये दोनों ही स्थितियां आपको उत्साह और प्रसन्नता देने वाली होंगी। इन्हीं 3 सवालों और उनके जवाबों में आपके जीने का मकसद छिपा है। *

ये भी हो सकते हैं लक्ष्य

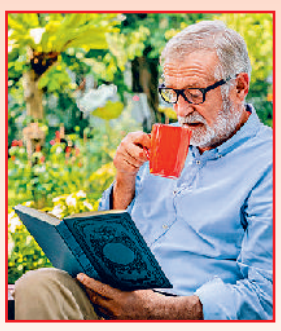

- अपने बच्चों को सही ढंग से पाल-पोस कर बड़ा करना।
- डेली कोई अच्छी-सी किताब पढ़ना। चाहे वह हेल्थ बुक हो, आध्यात्मिक पुस्तक हो, कहानियों की किताब हो।
- दिन भर काम करने के बाद शाम को पसंदीदा टीवी प्रोग्राम देखना या दोस्तों के साथ गपशप करना।
- किसी के प्रति आभार व्यक्त करना, जो कल आपके काम आया था या आपकी मदद की थी।
- अपनी मां, बहन, पत्नी, पति या किसी अन्य निकट संबंधी के लिए कुछ स्पेशल करना है। उनके साथ खुशी बांटनी है। *

{ धर्म-संस्कृति / आर.सी.शर्मा }

धार्मिक-स्वास्थ्य की दृष्टि से

बहुत महत्वपूर्ण है पौष माह

हिंदू पंचांग के मुताबिक पौष मास या पूस का महीना मार्गशीर्ष या अगहन महीने की पूर्णिमा के अगले दिन से शुरू होता है। यह हिंदू पंचांग का दसवां महीना होता है। 27 दिसंबर 2023 से शुरू होकर यह माह 25 जनवरी 2024 को खत्म होगा। इस महीने की पूर्णिमा को चंद्रमा पुष्य नक्षत्र में होता है, इसलिए इस महीने का नाम पौष रखा गया है। इस महीने का जितना धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है, उससे कहीं ज्यादा इसका सेहत के नजरिए से भी महत्व है।

सूर्यदेव को समर्पित माह: धार्मिक दृष्टि से देखा जाए तो यह महीना भगवान सूर्य को समर्पित है। इस वजह से इस महीने में सूर्यदेव की पूजा करने पर सबसे ज्यादा महत्व है। सूर्य की पूजा से बहुत शुभ फल मिलते हैं। पूरे पौष माह नियमित रूप से सूर्यदेव को जल चढ़ाने से ना सिर्फ घर में संपन्नता आती है, बल्कि मान-सम्मान में भी वृद्धि होती है। धार्मिक विधान के मुताबिक पौष माह में हर रविवार को सूर्यदेव का व्रत रखना चाहिए। उन्हें अर्घ्य देकर तिल, चावल और खिचड़ी का भोग लगाना चाहिए। स्नान, ध्यान के बाद नियमित रूप से सूर्य भगवान की पूजा और सूर्य मंत्र का जाप करना चाहिए। सनातन धर्म में सूर्य को प्रधान देवता माना गया है। ग्रंथों के मुताबिक पौष माह में सूर्य के भग स्वरूप की पूजा करनी चाहिए। शास्त्रों के मुताबिक धर्म, यश, श्री, ज्ञान, ऐश्वर्य और वैराग्य को भग कहते हैं। इनसे युक्त को ही भगवान माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक इस माह जो व्यक्ति प्रतिदिन सूर्यदेव को अर्घ्य देता है और उनकी उपासना करता है, उन्हें ज्ञान, सुख और समृद्धि की प्राप्ति होती है। पौष माह में पूजा, पाठ और जप तप करने से आरोग्यता की प्राप्ति होती है।

बहुत कुछ है पौष माह में खास : पौष माह श्राद्धकर्म और पिंडदान के लिए भी उत्तम माना जाता है। माना जाता है कि इस माह में पैदा होने वाले लोग बुद्धिमान, धनवान, शूरवीर और कठोर होते हैं। इस महीने को छोटा पितृ पक्ष भी कहते हैं। मान्यता के मुताबिक पितृ पक्ष की तरह इस माह भी पूर्वजों के लिए खास पूजा की जाती है। लेकिन इस महीने गृहप्रवेश या विवाह जैसे धार्मिक समारोह नहीं करने चाहिए।

स्वास्थ्य की दृष्टि से अहम: स्वास्थ्य की दृष्टि से भी यह महीना बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस महीने में मिलने वाली सूर्य की हल्की गरमाहट भरी धूप से शरीर को भरपूर विटामिन डी मिलती है। आयुर्वेद के मुताबिक पौष मास में ब्रह्म मुहूर्त में जगने से शरीर में वात, पित और कफ का संतुलन बना रहता है। हम चुस्त, दुरुस्त और तरोताजा महसूस करते हैं। इस मौसम में जठराग्नि तेज होती है, इसलिए डायटीशियन भी इस मौसम में गेहूं, तिल और गुड़ से बनी चीजों के खाने की सलाह देते हैं। इस मौसम में तांबे के बर्तन में रखा पानी पीया जाए तो शरीर में धातुओं का बैंलेस बना रहता है। हम सब जानते हैं कि सूर्य की किरणें ना सिर्फ हमें जीवन देती हैं, बल्कि रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाती हैं और सूर्य की किरणें सबसे गुणकारी इसी माह में होती हैं। लेकिन इस महीने बैंगन, मूली, फूलगोभी और उड़द-मसूर की दालों का सेवन नहीं करना चाहिए। *

होती है मोक्ष की प्राप्ति

इस माह की पूर्णिमा का भी विशेष महत्व होता है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक इस दिन विधिपूर्वक पूजा करने से व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसलिए पौष पूर्णिमा के दिन पवित्र नदियों में स्नान और सूर्यदेव को अर्घ्य देने की परंपरा है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक पौष पूर्णिमा पर काशी या त्रिवेणी के संगम में स्नान और दान किया जाए तो अक्षय पुण्य फल की प्राप्ति होती है। पौष माह की पूर्णिमा के दिन पवित्र जल में स्नान करने से वही पुण्य लाभ मिलता है, जो पूरे महीने की पूजा पाठ से मिलता है। धन और संतान देने वाला माना गया है। *

{ विज्ञान-तकनीक/ संजय श्रीवास्तव }

इस साल और बढ़ेगी

भारत की ख्याति

विगत वर्ष के ठोस आधार पर इस साल विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में देश बहुत कुछ नवनिर्माण करेगा और शोध विकास में आगे बढ़ेगा। इस साल भारत की संभावित उपलब्धियों पर एक नजर।

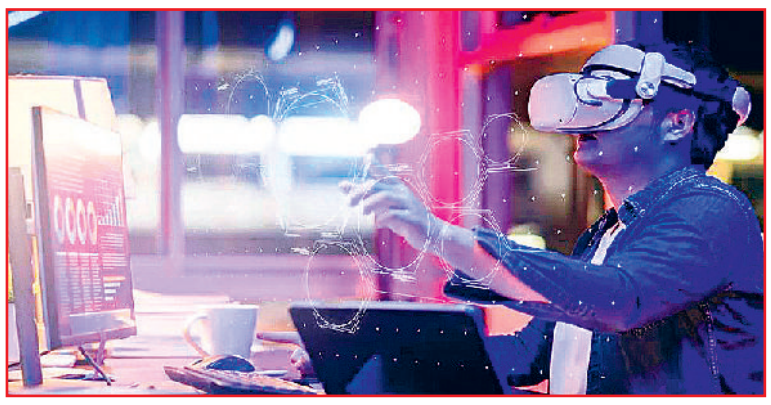

विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में आगामी सालों में देश को जो ढेरों उम्मीदें हैं, इसमें से कई के इसी साल पूरी होने की आशा है। वजह है, पिछले वर्षों में देश का इस क्षेत्र में किया गया शानदार प्रदर्शन। सकारात्मक सरकारी रुझान और कुछ विकसित देशों से हुए महत्वपूर्ण समझौतों के साथ हमारे वैज्ञानिकों, तकनीकविदों, संबंधित संस्थानों की उत्कृष्ट प्रतिबद्धता। पिछले बरस जिन परियोजनाओं की शुरुआत हुई थी, इस साल संभव है कि उनको अमली जामा पहना दिया जाए।

एआई में आएगा बहुत कुछ नया: एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमता का क्षेत्र सबसे ऊपर रहने वाला है। इस क्षेत्र में पिछले कुछ बरसों से भारत बेहतरीन प्रदर्शन कर रहा है। इस साल 2024 में वह ग्लोबल पार्टनरशिप ऑन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी जीपीएआई की अध्यक्षता करेगा। संभव है कि इस बार कोई बेहद चौंकाने वाली चीजें सामने आएं। फिलहाल चैट जीपीटी का विकल्प बनने का ही नहीं, उससे कई गुना आगे निकलने वाले 12 भारतीय सहित 120 भाषाओं में इसका प्रदर्शन संभव है।

6जी में होंगे सबसे आगे: इंटरनेट के क्षेत्र में 5जी के बाद उम्मीद है कि साल के आखिर तक अब 6जी तकनीक भी लांच हो जाएगी। यदि यह संभव हुआ तो हम इस मामले में जापान को पीछे छोड़ देंगे। यही नहीं हम दक्षिण कोरिया, चीन और फिनलैंड से भी आगे होंगे, जो 6जी की अभी तैयारी कर रहे हैं। बेशक यह एक बड़े बदलाव का वाहक बनेगा।

इसरो के कई प्रोजेक्ट्स होंगे पूरे: इसरो इसी साल अपने अति महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट गगनयान को लांच करेगा। निर्णायक प्रक्षेपणपूर्व वह कुछ परीक्षण करेगा, सुरक्षा उपायों को परखेगा। इसके अलावा इसरो इस साल लगभग 10 महत्वपूर्ण मिशन लांच करने वाला है और कुछ उल्लेखनीय तकनीक विकसित कर विश्वपटल पर अपना नाम दर्ज कराएगा। बीते बरस इसरो ने कहा था कि अंतरिक्षीय मिशन में महत्वपूर्ण तकनीक प्रणाली ईसीएलएसएस वह खुद विकसित करेगा। अब तक वह केवल रॉकेट और उपग्रह बनाता रहा था, उसे उम्मीद थी कि विदेशों से हुए कई समन्वयकारी समझौतों के तहत इसकी तकनीक हासिल करके वह इसे अपने वहां बना लेगा, लेकिन जब कई दौर की बातचीत के बावजूद कोई राजी ना हुआ तो उसने इसे अपने स्तर पर विकसित करने का फैसला लिया। इस बरस इसका विकास इस क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा। उम्मीद है आज या कल में आदित्य एल-1 अपने मुकाम यानी धरती से 15 लाख किमी. दूर लैग्रेंज प्वाइंट पर पहुंच जाएगा। यह उसकी एक और बड़ी उपलब्धि साबित होगी।

इस साल इसरो अपने द्वारा विकसित पीएसएलवी, जीएसएलवी और एलबीएम-3 के जरिए उपग्रहों को प्रक्षेपित करेगा। एसएसएलवी की तीसरी विकास उड़ान पर गगनयान कार्यक्रम के तहत दो मानव रहित मिशन के अलावा वह इनसैट 3डीएस, एक्स-रे, पोलरीमीटर और दूसरे महत्वपूर्ण उपग्रह भी लांच करेगा। साल के आखिर में शुक्रयान की तैयारी है तो मध्य में मंगलयान-2 की। गगनयान मिशन में मानव सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए, इंजीनियरिंग प्रणालियों और मानव केंद्रित प्रणालियों सहित

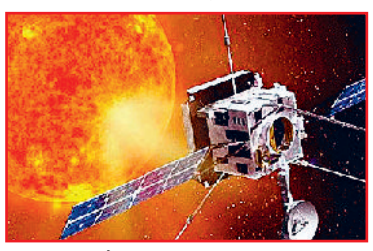

विभिन्न नई प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के परिणाम इसी साल दिखेंगे। विभिन्न स्थितियों के तहत गगनयान क्रू एस्केप सिस्टम के लिए एक परीक्षण वाहन का उपयोग करने वाले कई उप-कक्षीय मिशनों की भी योजना इस वर्ष लागू होगी।

महाराष्ट्र के हिंगोली में एलआईजीओ-इंडिया नाम से जो लेजर इंटरफेरोमीटर ग्रैविटेशनल वेव ऑब्जर्वेटरी विकसित किया जाना शुरू किया गया है, जो ब्लैकहोल और न्यूट्रन स्टार जैसे विशाल खगोल भौतिकी वस्तुओं के विलय के दौरान उत्पन्न गुरुत्वाकर्षण तरंगों की पहचान करने में सक्षम है। उसमें इस बरस उल्लेखनीय प्रगति दिख सकती है।

कंप्यूटिंग टेक्नोलॉजी में तरक्की: इस बरस कई वजहों से साइबर सुरक्षा बड़ी चिंता होगी, इसलिए ब्लॉकचेन तकनीक में प्रगति लाजिमी है। स्मार्ट सिटी की परियोजनाएं इस बरस भी पूरी नहीं होंगी, लेकिन क्रिप्टोग्राफी, पदार्थ विज्ञान में क्रांति करने में समर्थ क्वांटम कंप्यूटिंग टेक्नोलॉजी में इस बरस महत्वपूर्ण प्रगति दिखेगी। इसी साल मेटावर्स का तेजी से विस्तार हो सकता है। कुछ विश्लेषक कहते हैं कि मार्क जुकरबर्ग 2024 में मेटावर्स को विस्तार देंगे तो इसका असर भारत में भी दिखेगा।

विज्ञान महोत्सवों का होगा आयोजन : छात्रों, शिक्षकों, वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, उद्योग के पेशेवरों, उद्यमियों तथा विज्ञान संप्रेषकों जैसे व्यक्तियों के लिए एक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव का 9वां संस्करण 17 से 20 जनवरी 2024 तक हरियाणा के फरीदाबाद में आयोजित होगा। कुल मिलाकर विज्ञान-तकनीक क्षेत्र का परिदृश्य इस वर्ष उत्साहवर्धक रहने वाला है। *

अंडरग्राउंड सिटी कूबर पेडी

{ रोचक }

ऑस्ट्रेलिया में एक ऐसा शहर मौजूद है, जो जमीन के नीचे बसा हुआ है। कूबर पेडी नाम के इस शहर को दुनियाभर में अंडरग्राउंड सिटी के नाम से भी जाना जाता है।

कूबर पेडी शहर के बसने के पीछे बड़ी रोचक कहानी है। दरअसल, इसके बसने की शुरुआत आज से करीब 110 साल पहले हुई थी। जहां आज यह शहर मौजूद है, वहां बेशकीमती ओपल जेमस्टोन काफी मात्रा में पाए जाते थे। बता दें, ओपल जेमस्टोन एक महंगा रत्न होता है, जिसे अंगूठी में लगाकर पहना जाता है। इस शहर को 'ओपल कैपिटल ऑफ द वर्ल्ड' के नाम से भी जाना जाता है। इस पाताललोक शहर में स्वीमिंग पूल, पब और होटल जैसी सभी सुविधाएं मौजूद हैं और यहां गोल्फ कोर्स और म्यूजियम भी हैं। यहां कई फिल्मों की शूटिंग भी की जा चुकी है। मीडिया रिपोर्ट की माने तो, इस शहर के करीब दो हजार लोग अंडरग्राउंड घरों में ही रहते हैं।

कूबर पेडी रेतीली और चट्टानी जगह है और यहां के मौसम का मिजाज तेजी से बदलता रहता है। रेगिस्तान में होने की वजह से यहां का तापमान सामान्य से बहुत अधिक रहता है। तेज गर्मी से खुद को बचाने के लिए यहां के लोग उन गड्ढों में घर बनाकर रहते हैं, जो ओपल जेमस्टोन के खनन की वजह से बन गए थे। धरातल से नीचे होने की वजह से इन गड्ढों में बने घरों में तापमान कम होता है। इसकी वजह से यहां रहने वाले लोगों को गर्मी से बचने के लिए कूलर, पंखे और एसी की जरूरत नहीं पड़ती है। यहां बने हाइब्रिड एनर्जी पावर प्लांट से शहर की 70 फीसदी पावर की जरूरत पूरी होती है। बड़ी संख्या में देश-विदेश के लोग इस शहर को देखने के लिए आते हैं। *

-हरीशचंद्र पांडे

{ बड़ा पर्दा / हेमंत पाल }

अगर आप फिल्मों के शौकीन हैं तो अपनी फेवरेट फिल्म या हीरो का कोई ना कोई डायलॉग जरूर याद होगा। ब्लैक एंड व्हाइट के जमाने से लेकर हाल के दशकों तक की कई फिल्मों के ऐसे पॉपुलर डायलॉग्स हैं, जिन्हें लोग आज भी नहीं भूल पाए हैं।

आज भी हैं लोगों को याद पॉपुलर फिल्मी डायलॉग

समाज को सिनेमा बहुत ज्यादा प्रभावित करता है। यह तथ्य अच्छे और बुरे दोनों संदर्भों में है और भाषा के संबंध में भी। सिनेमा में प्रयुक्त हर शब्द और संवाद का अपना अलग असर होता है। अगर समाज में किसी शब्द, वाक्य या विचार को चलन में लाना है, तो उसका फिल्म में प्रयोग करके उसको लोकप्रिय बनाया जा सकता है। ऐसे कई शब्द और संवाद हैं, जो सिर्फ सिनेमा की वजह से चलन में आए। आशय यह कि सिनेमा के संवादों की भाषा के प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वास्तव में जीवन में हम सिनेमा की भाषा से पात्रों के व्यवहार को समझते हैं और दृश्यों से कथानक को। फिल्म देखने के बाद तो कई संवाद हमारी बोल चाल का हिस्सा तक बन जाते हैं। कुछ फिल्मों के संवाद फिल्म इतिहास में बहुत ज्यादा चर्चित हुए हैं। फिल्म के कुछ संवाद लोगों की जुबान पर ऐसे चढ़ गए, जैसे उन्हीं के लिए लिखे गए हों।

'शोले' का फेमस डायलॉग- 'कितने आदमी थे?'

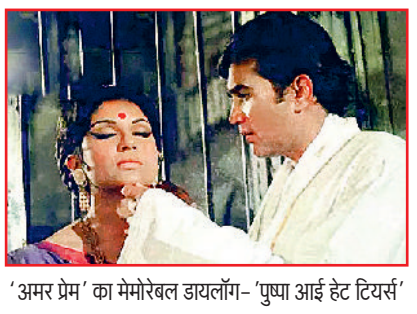

'अमर प्रेम' का मेमोरेबल डायलॉग- 'पुष्पा आई हेट टियर्स'

पुराने दौर से जारी है सिलसिला: इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि कहानी किसी भी फिल्म की जान होती है। कहानी ही फिल्म में रंग भी भरती है। लेकिन उसी कहानी में अगर सटीक और प्रभावी संवादों का सहारा मिल जाए तो फिल्म की पहचान सालों तक बनी रहती है। हालांकि अब फिल्मों में याद रह जाने लायक संवाद कम ही सुनाई देते हैं। आजादी से पहले जरूर कुछ फिल्में सिर्फ संवादों की वजह से ही चर्चित हुई थीं। सोहराब मोदी की 'पुकार' और 'सिकंदर' ऐसी ही फिल्में थीं। बीआर चोपड़ा की 'कानून' और 'इंसाफ का तराजू' में संवादों से ही कानून की कमियों को उभारा गया।

'मुगले आजम' में पृथ्वीराज

डायलॉग्स से मिली फिल्मों को पहचान: कुछ फिल्में तो सिर्फ उनके संवादों के कारण ही आजतक याद की जाती हैं। ऐसी फिल्मों में 'मुगले आजम', 'शोले', 'दीवार' सबसे प्रमुख हैं। पृथ्वीराज कपूर द्वारा 'मुगले आजम' में बोला गया संवाद 'सलीम की मोहब्बत तुम्हें मरने नहीं देगी और हम तुम्हें जीने नहीं देंगे।' इसी तरह 'शोले' का डायलॉग 'तेरा क्या होगा कालिया!' और 'कितने आदमी थे?' और इसी तरह 'दीवार' का डायलॉग 'मेरे पास मां है।' ऐसे संवाद हैं, जिनको सुनते ही पूरी फिल्म याद आ जाती है। सहजता से बोले गए इन संवादों ने फिल्मों को कालजयी बनाने में खास योगदान दिया।

'मिस्टर इंडिया' में अमरीश पुरी

ये डायलॉग्स भी हुए पॉपुलर: अमिताभ बच्चन का फिल्म 'डॉन' का संवाद 'डॉन का इंतजार तो ग्यारह मुल्कों की पुलिस कर रही है, लेकिन डॉन को पकड़ना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन है।' आज भी सुनाई देता है, तो आंखों के सामने अमिताभ का शातिर चरित्र घूम जाता है। शत्रुघ्न सिन्हा जब अपने करियर के शिखर पर थे, तब 'कालीचरण' और 'विश्वनाथ' के संवाद गली-गली में सुनाई देते थे और भी उनकी पहचान बने हुए हैं।

डायलॉग्स ने बना दी इमेज: संवादों का जोरदार असर तभी अच्छा होता है, जब उसे उसी शिद्दत से बोलने वाला एक्टर भी मिले। तभी हर संवाद चरित्र की पहचान से जुड़ता भी है। राजकुमार, शत्रुघ्न सिन्हा और नाना पाटेकर के संवादों में अकड़ की झलक देखी गई है। लेकिन, राजकुमार के 'पाकीजा' में बोले गए उनके एक संवाद ने उनकी पहचान ही बदल दी थी। वो संवाद था 'आपके पैर देखे, बहुत हसीन हैं। इन्हें जमीन पर मत उतारिएगा मैले हो जाएंगे।' इसी तरह रोमांटिक हीरो राजेश खन्ना का 'अमर प्रेम' का संवाद 'पुष्पा, आई हेट टियर्स।' लोग भूले नहीं हैं।

विलेन के पॉपुलर डायलॉग: अजित, प्रेम चोपड़ा और अमरीश पुरी के बोले हर संवाद में क्रूरता का अंदाज झलकता था। प्रेम चोपड़ा का 'बॉबी' में बोला गया संवाद कितना सहज है 'प्रेम नाम है मेरा, प्रेम चोपड़ा।' लेकिन उनकी अदायगी की क्रूरता ने इसे यादगार बना दिया। 'कालीचरण' में अजित का संवाद 'सारा शहर मुझे लॉयन के नाम से जानता है' और 'मिस्टर इंडिया' में अमरीश पुरी का 'मोगैंबो खुश हुआ।' भी अपने अंदाज की वजह से यादगार बना हुआ है। *